दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-164, भोपाल, गुरुवार 28 अप्रैल 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"वह व्यक्ति कर्मठ नहीं है जो कि यह कहता है कि नदी गंदी है। कर्मठ तो वह व्यक्ति होता है जो कि नदी की सफाई करना शुरु कर देता है।" - रॉस पेरो

27 अप्रैल को 08 स्थानों में लगेंगे मोबाईल मेडिकल यूनिट शिविर

कोरबा. छत्तीसगढ़ मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना अंतर्गत नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्रांतर्गत संचालित 08 मोबाईल मेडिकल यूनिट बुधवार 27 अप्रैल को विभिन्न 08 वार्डों में पहुंचकर निर्धारित स्थलों पर कैम्प करेंगी तथा नागरिकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं उनकी बीमारियों का मुफ्त इलाज व दवाओं का वितरण करेगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 27 अप्रैल बुधवार को वार्ड क्र. 01 रामसागर पारा दलिया गोदाम के पास मंच, वार्ड क्र. 14 मैगजीन भांठा सामुदायिक मंच दशहरा मैदान के पास, वार्ड क्र. 26 मुड़ापार आंगनबाड़ी के पास, वार्ड क्र. 32 सतनाम नगर जयस्तंभ चौक, वार्ड क्र. 45 हसदेव क्र. 03 रामनगर स्टेज के पास, वार्ड क्र. 53 प्रगतिनगर कांशीपारा तुलसीनगर प्राथमिक शाला के पीछे आंगनबाड़ी भवन, वार्ड क्र. 62 नरई बोध स्टेज के पास, वार्ड क्र. 66 शांति नगर मंदिर के पास कैम्प लगाए जाएंगे।

केन्द्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष पहुंचे बस्तर

जगदलपुर। जगलपुर शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज में कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। केन्द्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष हर्ष चौहान अपने प्रथम बस्तर पर कहा कि आदिवासी बाहुल्य बस्तर और झाबुआ की विशेष पहचान है तथा ये एक दूसरे के पूरक हैं। बस्तर को प्रदेश के आदिवासी अंचल झाबुआ जो इन दोनों अंचल की निकटता का अनुभव कराता है। इस अवसर पर टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेस की कुलपति एवं संचालक प्रो. शालिनी भरत ने कहा कि वे बस्तर के अपने पहले प्रवास पर बहुत ही खुश हैं, क्योंकि उन्होंने बस्तर के बारे में बहुत कुछ सुना और पढ़ा था। उन्होंने उद्यमिता के लिए मार्गदर्शन और सहयोग के लिए सबसे पहले पहल करने पर बस्तर जिला प्रशासन की जमकर सराहना की। उन्होंने तेजी से बढ़ते शहरीकरण को एक बड़ी समस्या बताते हुए स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि स्थानीय युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित कर यह कार्य आसानी से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में भी उद्यमिता और रचनात्मकता को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा बस्तर में उद्यमिता को बढ़ावा देने का प्रयास भी ऐसा ही है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के लिए किए गए त्वरित पहल के लिए भी जिला प्रशासन की सराहना की।

विद्युत विभाग में चल रहा भ्रष्टाचार का बड़ा खेल

शिकायत के बावजूद कारवाई न होना अधिकारियों की मिलीभगत- अन्यतम शुक्ला

रायपुर। विद्युत विभाग में चल रहे भ्रष्टाचार को लेकर आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आप यूथ विंग/ष्ट्रड्डस्स् व विद्युत ठेका कर्मचारियों कि आज संयुक्त प्रेसवार्ता रखी गयी थी, मीडिया को संबोधित करते हुये आप यूथ विंग के प्रदेश अध्यक्ष तेजेंद्र तोड़ेकर ने कहा कि विगत 13 अप्रैल को हमने विभाग में चल रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ विद्युत विभाग के अध्यक्ष महोदय से मिलकर उन्हें कुछ सबूत सौंपकर उनसे शिकायत कि थी पर आज तक न तो इस मामले में कोई कार्यवाही कि गयी है और नाहि हमें इसका कोई जवाब दिया गया है आपको बता दे कि पुरे प्रदेश भर में विद्युत विभाग में जितने भी ठेके के तहत कर्मचारी रखे गये है उन कर्मचारियों का शोषण ठेकेदारों व अधिकारी कर्मचारियों द्वारा मिलकर किया जा रहा है अधिकतर कर्मचारियों कि भविष्य निधी कि राशि ठेकेदारों द्वारा जमा नहीं कि जा रही है, इसके बावजूद फर्जी भविष्य निधी बिल लगाकर विद्युत विभाग से ठेकेदार अपना बिल पास करा रहे है जिसकी शिकायत लगातार कर्मचारियों द्वारा विभाग के बड़े अधिकारीयों से कि गयी है इसके बावजूद बड़े अधिकारीयों द्वारा कोई कार्यवाही नहीं कि गयी है इससे साफ़ पता चलता है कि ठेकेदारों को विद्युत विभाग के कर्मचारियों का संरक्षण मिला हुआ है, जिसके कारण इतनी शिकायतें मिलने के बाद भी उन्ही ठेकेदारों को पुन: ठेका देने कि तैयारी विभाग द्वारा कि जा रही है ये भ्रष्टाचार का बड़ा मामला है हजारों कर्मचारियों को न तो उनकी पूरी मजदूरी दी जा रही है और ना हि उनकी भविष्य निधि कि राशि पूरी जमा करायी जा रही है, कर्मचारियों द्वारा लगभग 125 करोड़ रूपये के भ्रष्टाचार कि शिकायत अलग अलग माध्यमों से सौपा जा चूका है।

दिल्ली प्रवास पर आज बीजेपी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने की सौजन्य भेंट।

रूस ने दी पोलैंड और बुल्गारिया की गैस आपूर्ति रोकने की धमकी

मास्को। रूस ने पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बीच यूक्रेन मुद्दे पर विरोध कर रहे पोलैंड और बुल्गारिया को गैस सप्लाई रोकने की धमकी दी है। रूस की प्रमुख गैस कंपनी ने गजप्रोम ने पोलैंड और बुल्गारिया से कहा है कि वह बुधवार से गैस की आपूर्ति रोक देगी। रूस यूरोप को गैस की सप्लाई करने वाला प्रमुख देश है। 24 फरवरी को यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई के शुरू होने का बाद से पोलैंड और बुल्गारिया पहले ऐसे देश हैं जिनके खिलाफ रूस ने इस तरह का कदम उठाया है। रूस की तरफ से यह कदम रूसी लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के बाद उठाया गया है। यूक्रेन पर हमले के बाद से अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों की तरफ से रूस पर कई प्रतिबंध लगाए गए हैं। ऐसे में रूस की मुद्रा रूबल कमजोर हो गई है। ऐसे में रूस ने गैस की सप्लाई की एवज में रूबल में पेमेंट करने की मांग रखी है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मांग की है कि जिन देशों को वह दोस्त नहीं मानते, वे एक ऐसी योजना के लिए सहमत हों जिसके तहत वे गज़प्रॉमबैंक में खाते खोलें और यूरो या डॉलर में रूसी गैस आयात के लिए पेमेंट करेंगे जो कि रूबल में परिवर्तित हो जाएंगे। ऐसे में रूस का विदेशी मुद्रा भंडार भी मजबूत हो जाएगा। पिछले हफ्ते, यूरोपीय कमिशन ने कहा था कि यूरोपीय संघ की कंपनियां प्रतिबंधों का उल्लंघन किए बिना रूबल में गैस भुगतान लेने की रूस की मांग पर सहमत हो सकती हैं।

बिजली कंपनी के 14 अधिकारी-कर्मचारी निलंबित, एक बर्खास्त

काम में गड़बड़ी व लापरवाही पर बिजली कंपनी ने की कार्रवाई

भोपाल। काम में लापरवाही और अनियमितता बरतने पर मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण बिजली कंपनी ने एक उपमहाप्रबंधक सहित 14 अधिकारी व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं एक आउटसोर्स कर्मचारी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। यह कार्रवाई कंपनी के प्रबंध संचालक गणेश शंकर मिश्रा ने की है। सभी अधिकारी व कर्मचारी विदिशा व रायसेन जिले के हैं। विदिशा वृत्त के तत्कालीन महाप्रबंधक वीके बघेल, उपमहाप्रबंधक बीएस कुशवाह, रामपाल सिरसाटे, एनडी स्वर्णकार, प्रबंधक राहुल ठाकुर, कैलाश चौधरी, शशांक शेखर पांडेय, सहायक प्रबंधक संजय पौराणिक, खुशाल कुमार अहिरवार एवं लाईन परिचारक अवध प्रसाद धाकड़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। सेवाप्रदाता कंपनी के माध्यम से कार्यरत सब-स्टेशन आपरेटर रघुवीर सिंह राजपूत को बर्खास्त कर दिया है। रायसेन वृत्त के तहत आने वाली कालोनियों के बाह्य विद्युतीकरण में अनियमितता और लापरवाही बरतने के आरोप में तत्कालीन उपमहाप्रबंधक एसके गुप्ता, जीएल सिंह, कमलकांत सिंह (पूर्व से निलंबित), प्रबंधक मिर्जा जावेद बैग व सहायक प्रबंधक आदित्य प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। प्रबंध संचालक गणेश शंकर मिश्रा ने अधिकारी व कर्मचारियों को चेतावनी दी है कि यदि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता, लगन, निष्ठा और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर गंभीर नहीं रहे तो ठोस कार्रवाई की जाएगी। यह भी कहा कि कंपनी में भृष्टाचार को लेकर जीरो टोलरेंस की नीति है। मैदानी अधिकारी सेवा व उपभोक्ता सेवाओं को पहली प्राथमिकता दें। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिये है कि आर्थिक अनियमितताओं और सेवाओं में लापरवाही के मामलों में ठोस कार्रवाई की जाएगी।कामों में पूरी सजगता, ईमानदारी और पारदर्शिता लाएं। प्रबंध संचालक ने यह भी कहा है कि उपभोक्ता सेवा सर्वोपरि है और उपभोक्ताओं से अन्याय एवं धोखाधड़ी किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मप्र में गर्मी के तेवर और तीखे होने के आसार

प्रदेश के कई जिलों में चल सकती है लू

भोपाल। मध्य प्रदेश में गर्मी के तेवर और तीखे होने के आसार हैं। प्रदेश में अप्रैल माह के अंत में कई जिलों में लू चलने की संभावना है। वर्तमान में किसी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने के कारण बुधवार से अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी होने के आसार हैं। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक दो-तीन दिन में प्रदेश में दिन के तापमान में तीन से चार डिग्रीसे. तक बढ़ोतरी हो सकती है। उधर मंगलवार को प्रदेश में सबसे अधिक 45 डिग्री सेल्सियस तापमान राजगढ़ में दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि पाकिस्तान और उसके आसपास सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ आगे बढ़कर उत्तराखंड पर पहुंच गया है। दक्षिण-पूर्वी मप्र से लेकर कर्नाटक तक बना ट्रफ भी समाप्त हो गया है। किसी मौसम प्रणाली के सक्रिय नहीं रहने के कारण बुधवार से गर्मी के तेवर और तेज होने लगेंगे। छतरपुर, राजगढ़, खजुराहो में लू भी चल सकती है। शनिवार तक प्रदेश में दिन के तापमान में तीन से चार डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है।मौसम विज्ञान केंद्र के मौसम विज्ञानी पीके साहा ने बताया कि मंगलवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 41.8 डिग्रीसे. दर्ज किया गया। जो सामान्य से दो डिग्री से. अधिक रहा। यह सोमवार के अधिकतम तापमान 41.7 डिग्रीसे. के लगभग बराबर रहा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्रीसे. रिकार्ड किया गया। जो सामान्य रहा। यह सोमवार के न्यूनतम तापमान 25 डिग्रीसे. के मुकाबले एक डिग्रीसे. कम रहा।साहा के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ जाने के कारण वर्तमान में हवा का रुख उत्तरङ्क पश्चिमी बना हुआ है।

भारत में लगाए महज 4.64 लाख लोगों ने टीका

डर और भ्रम के चलते बूस्टर खुराक लेने से बच रहे लोग

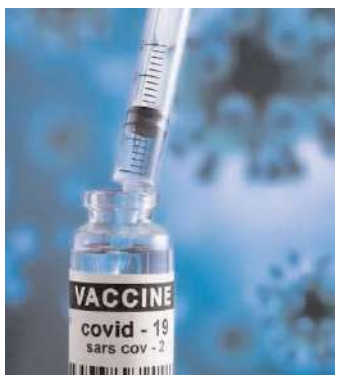

नयी दिल्ली (ईएमएस)। हमारे देश में कोराना वायरस टीका के डर और भ्रम के चलते बूस्टर खुराक लेने से लोग बच रहे है। प्रदेश में 10 अप्रैल से लेकर अब तक मात्र 4.64 लाख लोगों ने कोविड-19 रोधी टीके की बूस्टर खुराक लगवाई है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय डर, भ्रम और गलत जानकारी के चलते एहतियाती खुराक लगवाने से बच रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के बीच ज्यादा लोग बूस्टर खुराक नहीं लगवा रहे हैं। वैज्ञानिकों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और उद्योग के जानकारों का कहना है कि बूस्टर खुराक लगवाने में हिचक की मुख्य वजह प्रतिकूल प्रभाव का डर, कोविड-19 का मामूली संक्रमण होने की सोच व एहतियाती खुरक के असर को लेकर मन में संशय है। विषाणु रोग विशेषज्ञ टी जैकब जॉन के मुताबिक, बूस्टर खुराक को लेकर हिचक इसलिए भी है, क्योंकि नए विशेषज्ञों के दावे भ्रमित करने वाले हैं। उन्होंने कहा, मुझे बूस्टर खुराक पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए कई प्रश्न मिलते हैं। इसलिए मैं जानता हूं कि सरकार की 'शैक्षिक गतिविधि', जो अत्यधिक कमजोर लोगों का टीकाकरण पूरा कर कोविड-19 से होने वाली मौतों, अस्पताल में भर्ती होने की दर और गंभीर लक्षणों के उभरने का जोखिम घटाना चाहती है, वह जागरूक करने से ज्यादा भ्रमित करने वाली है।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हिजबुल मॉड्यूल का भंडाफोड़, बारामूला में जैश के दो आतंकी गिरफ्तार

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में पंच की हत्या के आरोपी तीन आतंकियों समेत कुल पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस साल मार्च में एक पंच मोहम्मद याकूब डार की हत्या के मामले में शामिल तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार करके प्रतिबंधित संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया गया।

उन्होंने कहा उनके कब्जे से पंच की हत्या में इस्तेमाल की गई एक पिस्तौल और दो हथगोले बरामद किए गए हैं। प्रवक्ता ने कहा कि जांच के दौरान पता चला है कि हिज्बुल के एक सक्रिय आतंकवादी फारूक अहमद भट को पाकिस्तान स्थित आतंकी आकाओं से कुलगाम में पंचायती राज संस्थानों के सदस्यों को निशाना बनाने के निर्देश मिले थे।

प्रवक्ता ने कहा, उनके निर्देश पर, भट ने लक्ष्य की पहचान की और सक्रिय आतंकवादी राजा नदीम राठेर को अपने सहयोगियों-नासिर अहमद वानी, आदिल मंजूर राठेर व माजिद राठेर के साथ मिलकर आतंकवादी कृत्य को अंजाम देने के निर्देश दिए। जांच के दौरान एक और व्यक्ति इदरीस अहमद डार की संलिप्तता सामने आई है। वह अभी भी फरार है और कथित तौर पर आतंकी गुटों में शामिल हो गया है। इस बीच सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले से जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के दो आतंकवादियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए सुरक्षा बलों ने बारामूला के पट्टन इलाके के हंजीवीरा में तड़के एक चलित जांच चौकी स्थापित की।

एक अधिकारी ने कहा कि तलाशी के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा गया और उनके पास से दो पिस्तौल और दो चीनी ग्रेनेड बरामद किए गए। अधिकारियों ने कहा कि गिरफ्तार किए गए दो आतंकवादियों की पहचान आकिब मोहम्मद मीर और दानिश अहद डार के रूप में हुई है। दोनों ही जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हैं।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने तंजावुर घटना पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने तमिलनाडु के तंजावुर जिले के कलियामेडु क्षेत्र में मंदिर उत्सव समारोह में रथयात्रा के दौरान हुई घटना में श्रद्धालुओं की असामयिक मृत्यु पर दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को सदगति प्रदान करने और शोक संतप्त परिजन को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट कर घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

आचार्य विद्यासागर गौ-संवर्धन योजना में पशुपालकों को मिला 95 करोड़ का अनुदान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देश पर पशुपालन विभाग द्वारा वर्ष 2016-17 में आरंभ की गई आचार्य विद्या सागर गौ-संवर्धन योजना में अब तक लगभग साढ़े सात हजार पशुपालकों को 95 करोड़ रूपये का अनुदान मिल चुका है। इससे पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार और पशुपालन के क्षेत्र में उद्यमिता विकास के साथ स्व-रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन में आशातीत उपलब्धि हासिल हुई है। संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. आर.के.मेहिया ने बताया कि योजना में वर्ष 2022-23 में लगभग 350 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए आठ करोड़ 20 लाख रूपये का बजट प्रावधान किया गया है।योजना ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के सभी वर्ग के पशुपालकों में अत्यंत लोकप्रिय है। योजना की सफलता और पशुपालकों में इसकी माँग को देखते हुए विभाग द्वारा इसकी विस्तारित करने पर विचार किया जा रहा है। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाने और रोजगार के अवसर प्रदान करने के उदद्देश्य से आरंभ योजना में सामान्य वर्ग के हितग्राहियों को अधिकतम 1.50 लाख रूपये और अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को 2 लाख रूपये तक की अनुदान राशि दी जाती है। साथ ही हितग्राही द्वारा लिए गए बैंक ऋण पर अधिकतम राशि 25 हजार रूपये ब्याज अनुदान भी प्रदाय किया जाता है।पशुपालक अपनी निकटतम पशु चिकित्सा संस्था में आवेदन प्रस्तुत कर योजना का लाभ ले सकते हैं।

मिशन अंकुर बच्चों की प्राथमिक शिक्षा की नींव से जुड़ा हुआ कार्यक्रम : धनराजू

» कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को किया जायेगा विकसित
» जिला स्रोत समूह के प्रतिनिधियों का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सत्र

भोपाल
मिशन अंकुर मुहिम देश के भावी भविष्य निर्माता हमारे बच्चों की प्राथमिक शिक्षा की नींव से जुड़ा हुआ कार्यक्रम हैं। आप सभी को इस मुहिम को मजबूती देनी हैं। आपकी भूमिका निपुण भारत अभियान के मिशन अंकुर मुहिम के उद्देश्यों और विज़न को शिक्षकों तक पहुँचाने में अति महत्वपूर्ण है। संचालक राज्य शिक्षा केंद्र श्री धनराजू एस निपुण भारत अभियान के मिशन अंकुर मुहिम में जिला स्रोत समूह के प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण सत्र को संबोधित कर रहे थे। श्री धनराजू ने कहा कि सभी स्रोत समूह के व्यक्तियों को प्रभावी रूप से जिलों के शिक्षकों को प्रशिक्षित करना है। उन्होंने अपेक्षा की कि जिस तरह कोविड के दौरान बच्चों का अध्ययन जारी रखने में उल्लेखनीय योगदान रहा, पाँचवीं-आठवीं की परीक्षा में सहयोग और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे में मेहनत की, उसी तरह ही सभी इस मुहिम को भी सफलता दिलाएगे। राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा राज्य स्तर पर जिला स्त्रोत्र समूह का पाँच दिवसीय प्रशिक्षण 27 अप्रैल 2022 से भोपाल के प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान और आइकफ प्रशिक्षण केंद्र में प्रारम्भ किया गया है। जिला स्त्रोत्र समूह के व्यक्ति अपने-अपने जिलों में मिशन अंकुर के सम्बन्ध में मैदानी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर निपुण भारत अभियान में मिशन अंकुर शुरू किया गया है। नई शिक्षा नीति में शामिल यह कार्यक्रम कक्षा पहली से तीसरी तक के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान को रोचक और सरल तरीके से पढ़ाने के लिए चलाया जा रहा है। जिससे बच्चों में पठन, लेखन और गणित की मूलभूत दक्षताएँ विकसित हो सके। मिशन अंकुर में 2026 तक लक्ष्य प्राप्त किये जाने हैं। मिशन अंकुर में बच्चों में बेसिक कांसेप्ट को क्लीयर करने के लिए फाउंडेशन लिटरेसी को खेल-खेल में सिखाया जाएगा। साथ ही नंबर सिस्टम को समझाने के लिए खासतौर पर न्यूमेरेसी प्रोग्राम चलाया जाएगा। खेल के जरिए बच्चों में चीजों को सीखने की ललक बढ़ेगी। साथ ही अलग-अलग कार्यक्रम और एक्टिविटी के जरिए कक्षाएँ आयोजित होने से बच्चें सरलता से पढ़ाई कर सकेंगे।

शहरी क्षेत्रों में भी पूरा हो रहा है पक्के मकान का सपना

भोपाल
रोटी, कपड़ा और मकान मनुष्य की प्राथमिक आवश्यकता है। पक्के घर का सपना हर परिवार देखता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई बार पक्के घर के सपने को पूरा करना असंभव सा लगता है, किन्तु प्रधानमंत्री आवास योजना न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में बल्कि शहरी क्षेत्रों में भी आवासहीनों के लिये वरदान बन कर आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का लाभ लेकर अनेक हितग्राही अपने पक्के घर में सुखद जीवन जी रहे हैं। देवास निवासी गौरांग पोद्दार बड़ी गंभीर स्थिति में कच्चे मकान के सहारे अपना जीवन व्यतीत कर रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजना से आज अपने पक्के घर में रह रहे हैं। योजना से उन्हें ढाई लाख रूपये की सहायता राशि मिली, जिससे पक्के घर का सपना पूरा हुआ। जमालपुरा निवासी मजदूर मुकेश को अब न सर्दी का डर रहा, न गर्मी का और न ही आंधी-बारिश का। क्योंकि प्रधानमंत्री आवास योजना की मदद से वे अब कच्चे मकान के स्थान पर अपने पक्के मकान में व्यवस्थित और सुखद जीवन व्यतीत कर रहे हैं। प्रिंटिंग प्रेस में काम करने वाले उज्जैन निवासी पप्पू गोयल पुराने कच्चे मकान में जीवन व्यतीत करने को विवश थे। पत्नी और दो बच्चों को घर की कमज़ोर दीवारें और छत गिरने का डर बना रहता था। इस गरीब परिवार को भी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का लाभ मिला और आज यह परिवार अपने पक्के मकान में खुशहाल और सुरक्षित है। नरसिंहपुर निवासी सारिका कच्चे खपरैल वाले घर में रहती थीं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निवास परिसर में हरसिंगार का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौध-रोपण करते हैं। हरसिंगार को पारिजात भी कहा जाता है। यह उत्तम औषधि भी है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में मध्यप्रदेश बढ़ रहा है आगे

भोपाल
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि प्रदेश बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मंत्री डॉ. चौधरी होटल पलाश में मलेरिया दिवस पर मीडिया कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिये स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी की विपरीत परिस्थितियों में भी स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि मलेरिया पर नियंत्रण के लिये आम नागरिकों में जागरूकता जरूरी है। उन्होंने कहा कि मच्छरों को पैदा होने के लिये वातावरण नहीं मिले, इस पर ध्यान देना चाहिये। पानी की जहाँ निकासी नहीं होती, जल-भराव होता है, वहाँ मच्छर पनपते हैं। डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है। पानी का भराव नहीं होने दें, इससे मच्छर पैदा ही नहीं होंगे और जहाँ भराव होता है, वहाँ मच्छरों को पैदा होने से रोकने के लिये जरूरी उपाय करें। मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया के अलावा अन्य बीमारियों की रोकथाम के लिये भी कारगर प्रयास किये हैं। उन्होंने क्षय रोग नियंत्रण पर किये जा रहे प्रयासों की भी सराहना की।

मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मलेरिया उन्मूलन के लक्ष्य को वर्ष 2030 से भी पहले प्राप्त करेंगे। मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि प्रदेश को मलेरिया नियंत्रण में किये गये उल्लेखनीय कार्यों के लिये केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से सराहना मिली है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2015 में प्रति हजार जनसंख्या पर एक से अधिक मलेरिया के प्रकरण वाले जिलों की संख्या 25 थी। वर्ष 2021 में एक भी ऐसा जिला नहीं है, जहाँ पर प्रति हजार जनसंख्या पर एक से अधिक मलेरिया के प्रकरण हों। प्रदेश में मलेरिया बीमारी के नियंत्रण में किये गये कार्यों की सफलता का नतीजा है कि पिछले 5 वर्षों में मलेरिया प्रकरणों में 90 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। मंत्री डॉ. चौधरी ने मलेरिया नियंत्रण पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने मलेरिया 卐उपचार कार्ड%%, मलेरिया पोस्टर और 卐मलेरिया एप%% का विमोचन भी किया। एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास, डायरेक्टर आईईसी ब्यूरो श्री बसंत कुर्रे, अतिरिक्त संचालक डॉ. संतोष जैन, उप संचालक स्वास्थ्य डॉ. हिमांशु जायसवार और डॉ. अर्चना पुंडीर उपस्थित थी।

अंतराष्ट्रीय इवेंट के लिए उसी विधा के विदेशी प्रशिक्षक को करें आईडेंटिफाई : खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया

भोपाल
खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने मंगलवार को मध्यप्रदेश राज्य वॉटर स्पोर्टस अकादमी की आगामी अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षक अब कमर कस लें, अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हमारे खिलाड़ियों के लिए विदेशी प्रशिक्षकों को आईडेंटिफाई करें। उन्होंने कहा कि वाटर स्पोर्ट्स के जो इवेंट ओलम्पिक्स में चिन्हांकित हैं उन प्रशिक्षकों के साथ संपर्क स्थापित करें . पत्राचार के द्वारा उनकी सहमति प्राप्त करें. मंत्री श्रीमती सिंधिया ने कहा कि जब भी टैलेंट सर्च करें तो क्वालिटी पर ध्यान दें, अगर एक टैलेंट सर्च से हमें नए खिलाड़ी नहीं मिल रहे हैं तो दोबारा टैलेंट सर्च करें। उन्होंने कहा कि नई प्रतिभाओं को खोजने के लिए टैलेंट सर्च जारी रखें। उन्होंने सभी प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि जब भी वे अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जाएँ तो प्रतिदिन की अचीवमेंट से उन्हें और संचालक खेल को अवगत कराएँ। श्रीमती सिंधिया ने कहा कि हर बच्चे की शारीरिक गणना अलग-अलग होती है। न्यूट्रिशिअनिस्ट हर बच्चे को एक अलग सब्जेक्ट के तौर पर देखें और उनके न्यूट्रिशन पर ध्यान दें। प्रत्येक बच्चे की इंफोर्मेटिव फ़ाइल बनाये। खेल मंत्री श्रीमती सिंधिया ने वॉटर स्पोर्टस अकादमी के रोइंग, सेलिंग, क्याकिंग और केनोइंग के प्रशिक्षकों से उनके खिलाड़ियों के संबंध में विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पोर्ट्स साइंस सेंटर के डॉ. जिंसी थॉमस से वॉटर स्पोर्टस अकादमी के खिलाड़ियों के ब्लड टेस्ट, वैक्सीनेशन आदि की जानकारी ली.

आयुष अस्पतालों में जरूरत के हिसाब से शत-प्रतिशत दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जायें

आयुष राज्य मंत्री श्री कावरे ने मंत्रालय में की विभागीय समीक्षा

भोपाल
आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रदेश के आयुष अस्पतालों में जरूरत के हिसाब से दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित की जायें। उन्होंने अधिकारियों को विभाग के सभी निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। राज्य मंत्री श्री कावरे आज मंत्रालय में विभागीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। प्रमुख सचिव श्री प्रतीक हजेला एवं आयुक्त इं. रमेश कुमार भी मौजूद थे। राज्य मंत्री श्री कावरे ने क्रय संबंधी प्रकरणों, कर्मचारियों के समयमान वेतनमान, न्यायालय में प्रचलित प्रकरणों और निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। राज्य मंत्री श्री कावरे ने प्रदेश में संचालित 362 हेल्थ वेलनेस सेंटर में योग शेड बनाए जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आयुष मिशन में संचालित योजनाओं की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जायें। उन्होंने महाविद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर आये कर्मियों की नियत अवधि की भी समीक्षा किये जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये। बैठक में बताया गया कि विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया तेजी से की जा रही है। इनमें 200 कम्यूनिटी हेल्थ ऑफिसर भी है। राज्य मंत्री श्री कावरे ने बैठक में 29 मई को उज्जैन में राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। राष्ट्रपति 29 मई को अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन के 59वें महाधिवेशन में शामिल होंगे। महाधिवेशन में आयुर्वेद औषधियों के मुक्त व्यापार एवं अन्य संबंधित मुद्दों पर चर्चा होगी।

राज्यपाल की बालाघाट यात्राः- राज्य मंत्री श्री कावरे ने बालाघाट में 8 मई को राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल की प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों की समीक्षा भी की। राज्यपाल इसी दिन परसवाड़ा में भी आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में सिकल सेल रोग की रोकथाम के लिये किये जा रहे प्रयासों की भी समीक्षा की।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 2018 से प्रकाशित | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

श्रीमद भागवत का आज दूसरा दिन

कलिकाल मे केवल नाम का स्मरण ही मुक्ति का आधार है- बापू चिन्मयामन्द

बिलासपुर. स्वामी श्री सच्चिदानंद जी महाराज की श्रीमद् भागवत कथा का आज दूसरा दिन नेहरू नगर निवासी स्वर्गीय श्री कृष्ण कुमार तिवारी जी की स्मृति में आयोजित भागवत कथा राजा परीक्षित एवं कलयुग पर प्रकाश डाला कथा के अंत में आरती के प्रमुख जजमान बिलासपुर शहर के लोकप्रिय विधायक श्री शैलेश पांडे श्रीमती रितु पांडे श्री गुरमीत सिंह भाटिया प्रिंस भाटिया धीरेंद्र बाजपेई सोनू चंद्राकर जिला पंचायत अध्यक्ष मुंगेली शैलेश बाजपेई रामा बघेल बिट्टू बाजपेई थे! अभिनव अनुराग तिवारी एवं उनकी माता श्री स्मृति तिवारी उपस्थित थी

व्यासपीठ से राजा परीक्षित की कथा का वर्णन किया एक बार राजा परीक्षित आखेट हेतु वन में गये। वन्य पशुओं के पीछे दौड़ने के कारण वे प्यास से व्याकुल हो गये तथा जलाशय की खोज में इधर उधर घूमते घूमते वे श्रृंगी ॠषि के आश्रम में पहुँच गये। वहाँ पर शमीक ॠषि नेत्र बंद किये हुये तथा शान्तभाव से एकासन पर बैठे हुये ब्रह्मध्यान में लीन थे। राजा परीक्षित ने उनसे जल माँगा किन्तु ध्यानमग्न होने के कारण शमीक ॠषि ने कुछ भी उत्तर नहीं दिया। सिर पर स्वर्ण मुकुट पर निवास करते हुये कलियुग के प्रभाव से राजा परीक्षित को प्रतीत हुआ कि यह ॠषि ध्यानस्थ होने का ढोंग कर के मेरा अपमान कर रहा है। उन्हें ॠषि पर बहुत क्रोध आया। उन्होंने अपने अपमान का बदला लेने के उद्देश्य से पास ही पड़े हुये एक मृत सर्प को अपने धनुष की नोंक से उठा कर ॠषि के गले में डाल दिया और अपने नगर वापस आ गये।

डारि नाग ॠषि कंठ में, नृप ने कीन्हों पाप।

होनहार हो कर हुतो, श्रृंगी दीन्हों शाप॥

शमीक ॠषि तो ध्यान में लीन थे उन्हें ज्ञात ही नहीं हो पाया कि उनके साथ राजा ने क्या किया है किन्तु उनके पुत्र श्रृंगी ॠषि को जब इस बात का पता चला तो उन्हें राजा परीक्षित पर बहुत क्रोध आया। श्रृंगी ॠषि ने सोचा कि यदि यह राजा जीवित रहेगा तो इसी प्रकार ब्राह्मणों का अपमान करता रहेगा। इस प्रकार विचार करके उस ॠषिकुमार ने कमण्डल से अपनी अंजुली में जल ले कर तथा उसे मन्त्रों से अभिमन्त्रित करके राजा परीक्षित को यह श्राप दे दिया कि जा तुझे आज से सातवें दिन तक्षक सर्प डसेगा!!

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव श्याम सिंह मरकाम ने दक्षिणी पूर्वी बिलासपुर जोन के महाप्रबंधक को लिखा पत्र

रद्द हुई 23 ट्रेनों को चालू करने की मांग

संतोष जायसवाल पोड़ी बचरा
कोरिया

पोडी बचरा/बैकुंठपुरञ्च गोंडवाना गणतंत्र पार्टी जिला अध्यक्ष केवल सिंह मरकाम ने कहा की दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर जोन द्वारा छग प्रदेश को अन्य राज्यों से जोडने के लिए संचालित 23 यात्री ट्रेने जो छत्तीसगढ़, के अलावा मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य प्रदेशों में आवागमन के लिए आमजन सुविधा के लिए संचालित यात्री ट्रेनों को 24 अप्रैल 2022 से 1 माह के लिए रद्द (बंद)किया गया है जो छत्तीसगढ़ प्रांत सहित अन्य प्रांत के आमनागरिकों के लिए काफी पीड़ा दायक है साथ हि यहां के आम नागरिकों के साथ छलावा जबकि यहां पर मालगाड़ी व अन्य कार्यों में संचालित सभी ट्रेनों को नियमित समयानुसार संचालित किया जा रहा है जिससे यह स्पष्ट प्रतित हो रहा है कि रेल प्रबंधन को सिर्फ अपने व्यवसायिक और औद्योगिक प्रष्ठिानों की चिंता है यहां की आम नागरिकों की नहीं चूंकि पूरे देश में छत्तीसगढ़ राज्य ही एक ऐसा राज्य है जहां से देश के विकास के लिए कोयला सहित विभिन्न खनिज सम्पदाओं का खनन कर सभी क्षेत्रों में पूर्ति किया जा रहा है जो देश के विकास में अग्रणी है किंतु यहां पर आम नागरिकों के लिए संचालित यात्री ट्रेनों को एक माह के लिए एक साथ रेलवे प्रबंधन द्वारा रद्द किया जाना आम नागरिकों के साथ कुठाराघात है इससे नियमित रूप से आवागमन करने वाले लाखों यात्रीगण हलाकान व परेशान है। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के महासचिव ने कहा है यदि आम नागरिकों की जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए यात्री ट्रेनों का परिचालन पुनः यथावत नहीं किया जाता है तो ध्रगोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी

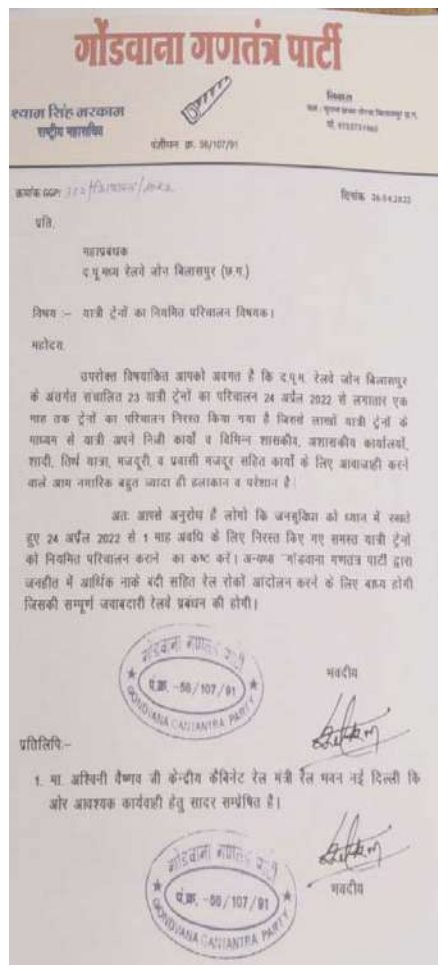

श्याम सिंह मरकाम
राष्ट्रीय महासचिव

पंजीयन क्र. 56/107/91

प्रति,

महाप्रबंधक
द.पू.मध्य रेलवे जोन बिलासपुर (छ.ग.)

विषय :- यात्री ट्रेनों का नियमित परिचालन विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयांकित आपको अवगत है कि द.पू.म. रेलवे जोन बिलासपुर के अंतर्गत संचालित 23 यात्री ट्रेनों का परिचालन 24 अप्रैल 2022 से लगातार एक माह तक ट्रेनों का परिचालन निरस्त किया गया है जिससे लाखों यात्री ट्रेनों के माध्यम से यात्री अपने निजी कार्यों व विभिन्न शासकीय, अशासकीय कार्यालयों, शादी, तिर्थ यात्रा, मजदूरी व प्रवासी मजदूर सहित कार्यों के लिए आवाजाही करने वाले आम नागरिक बहुत ज्यादा ही हलाकान व परेशान है।

अतः आपसे अनुरोध है लोगो कि जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए 24 अप्रैल 2022 से 1 माह अवधि के लिए निरस्त किए गए समस्त यात्री ट्रेनों को नियमित परिचालन करने का कष्ट करें। अन्यथा गोंडवाना गणतंत्र पार्टी द्वारा जनहीत में आर्थिक नाके बंदी सहित रेल रोको आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी रेलवे प्रबंधन की होगी।

भवदीय

प्रतिलिपि :-

1. मा. अश्विनी वैष्णव जी केन्द्रीय कैबिनेट रेल मंत्री रेल भवन नई दिल्ली कि ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर सम्प्रेषित है।

भवदीय

आर्थिक नाके बंदी सहित रेल रोको आंदोलन किया जाएगा जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी रेलवे प्रबंधन कि होगी

कलेक्टर ने हेलमेट पहन दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों का शाल एवं फूल देकर किया सम्मान

वाहन चालकों ने जिला कलेक्टर के इस अभिनव पहल को सराहा

बलौदाबाजार 27 अप्रैल 2022/ कलेक्टर डोमन सिंह आज अचानक सड़क पर उतरे और यातायात जागरूकता लाने हेलमेट पहन कर दोपहिया वाहन चलाने वाले चालकों का सम्मान किया।कलेक्टर ने कहा कि स्वयं की जागरूकता से ही वाहन दुर्घटना रूकेगी। जान है तो जहान है,लोगों को जागरूक करने आज हमने सम्मान किया है और यह आगे भी जारी रहेगा।उन्होंने सभी वाहन चालकों से अपील किया कि वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाये। सिर पर हेलमेट अवश्य पहने और स्वयं के साथ अपने परिवार को भी सुरक्षित रखे।

आज कलेक्टर ने सड़क पर हेलमेट पहन कर वाहन चलाने वालो में ग्राम अमेरा के हेमलाल पटेल, परसाभदेर की रोशनी पटेल, अमेरा के लोकनाथ साहू, ग्राम अर्जुन के धनशीर साहू, पनगांव के थानुराम पटेल, छेरकापुर के बृजभूषण साहू, लवण के मनोज गायकवाड सहित कई चालकों को सम्मानित किया। हेमलाल पटेल ने कहा कि विगत दस वर्षों से हेलमेट पहनकर मोटरसाइकिल चला रहे है किंतु आज तक किसी बड़े अधिकारी ने सड़क पर उतर कर हेलमेट पहनने प्रोत्साहित नहीं किया। आज स्वयं जिला का सबसे बड़ा अधिकारी कलेक्टर के हाथो सम्मानित होने पर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। इसी तरह ग्राम परसाभदेर की महिला ने कहा कि वह वाहन चलाते समय नियमित रूप से हेलमेट का उपयोग करती है। आज कलेक्टर महोदय के हाथो सम्मानित होने पर बहुत अच्छा लग रहा है। कलेक्टर द्वारा लोगो को हेलमेट पहनने हेतु जागरूक करना काबिले तारीफ है।मै उनके साथ -साथ सभी वाहन चालकों से अपील करती हूं कि हेलमेट पहनकर सुरक्षित वाहन चलाये।

(बिलासपुर) रेल सुविधा के विस्तार से छत्तीसगढ़ का होगा विकास :शिव दत्ता

बिलासपुर। प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जनजागरूकता अभियान के छत्तीसगढ़ प्रदेश मीडिया प्रभारी शिव दत्ता ने कहा है कि रेल सुविधा के विस्तार से छत्तीसगढ़ का विकास होगा। रेलवे ने छत्तीसगढ़ की जनता के लिए रेल सेवा के उन्नयन के लिए कुछ ट्रेनों के संचालन में युक्तियुक्तकरण किया है ताकि जनता को कम से कम असुविधा के बीच रेल लाइनों का रखरखाव हो सके, नई लाइनें बिछाई जा सकें। यह कार्य सम्पन्न होने पर जल्द ही छत्तीसगढ़ की रेल सुविधाओं में वृद्धि होगी जिससे राज्य की जनता की सुविधाओं के विस्तार के साथ साथ राज्य का विकास होगा। प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजना जनजागरूकता अभियान के छत्तीसगढ़ प्रदेश मीडिया प्रभारी शिव दत्ता ने कहा है कि जनता रेल सुविधाओं के विस्तार तथा उन्नयन की जरूरत महसूस कर रही थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनता की जरूरतों पर संवेदनशीलता दिखाते हुए बजट में छत्तीसगढ़ के लिए रेलवे क्षेत्र में भी पहल सुनिश्चित कराई है.

राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उइके ने गोल्ड मेडल देकर किया सम्मानित

संतोष जायसवाल पोड़ी बचरा खड़गवां

पोडी बचरा/बैकुंठपुरञ्च 21 अप्रैल को सकरिया निवासी विवेक कुमार सांहू पिता नारायण सांहू को अटल बिहारी वाजपेई विश्वविद्यालय बिलासपुर से एम ए हिंदी साहित्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उईके के द्वारा गोल्ड मेडल प्रदाय किया गया एवम मास्टर ऑफ आर्ट्स की उपाधि से नवाजा गया जिससे साहू समाज सहित परिवार में हर्ष व्याप्त है वहीं क्षेत्र में इस तरह के गोल्ड मेडलिस्ट प्राप्त करने वाले की कडी में सांहू समाज के होनहार विवेक को प्राप्त हुआ है जो क्षेत्र के लिए बडी उपलब्धि है जिसकी तारीफ चारों तरफ हो रहीं वहीं बधाई का तांता लगा है विवेक साहू एक मध्यम परिवार से विलांग करते हैं इनके पिता नारायण सांहू पेशे से शिक्षक है जिन्होंने अपने बच्चे को उच्च शिक्षा दिलाने हमेशा प्रयासरत रहे और उन्होंने अपने पुत्र को शिक्षा के क्षेत्र में हर संभव

मदद किया वहीं पुत्र ने भी अपने पिता के अरमानों पर खरा उतरने दृढ़ संकल्पित रहा और पढ़ाई-लिखाई में अव्वल दर्जे को प्राप्त करने दिन रात मेहनत करते रहा जिसका परिणाम सार्थक रहा , ग्राम पंचायत सकरिया जैसे छोटे से गांव के लड़के ने अपने परिवार के अलावा गांव का नाम रोशन किया और गोल्ड मेडल प्राप्त किया जिससे गांव में हर्ष व्याप्त है

बृहद इफ्तार पार्टी में शामिल हुए सभी समाज और सभी पार्टी के नेता

कोरबा. कोरबा शहर पुरानी बस्ती स्थित स्कूल प्रांगण में यूथ मुस्लिम कमेटी द्वारा वृहद इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। जिसमें सभी समुदाय के लोगों ने शिरकत कर कौमी एकता का संदेश दिया कार्यक्रम में सामाजिक संगठनों के अलावे राजनीतिक नेताओं की उपस्थिति में कौमी एकता एवं भाईचारे के संदेश को और बल मिला। इफ्तार पार्टी में कोरबा के महापौर राजकिशोर प्रसाद सभापति श्याम सुन्दर सोनी, आम आदमी पार्टी से विशाल केलकर समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष तनवीर अहमद भाजपा से अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सुन्नी मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान भाजपा से ही वैभव शर्मा पूर्व पार्षद मनीष शर्मा एल्डरमेन सनद दास दीवान, मुरित राम साहू एवं पंजाबी समाज के काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर महापौर राजकिशोर प्रसाद ने प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल के संदेश को पढ़कर सुनाया और मुख्यमंत्री के द्वारा 27 अप्रैल को रायपुर में आयोजित इफ्तार पार्टी में शामिल होने का न्योता दिया। अपने उद्बोधन में राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि इस इफ्तार पार्टी में हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई का भाईचारा स्पष्ट नजर आ रही है अल्लाह ने अनेक रंगों को एक थाली में सजा कर परोस दिया है यही हमारी संस्कृति भी है सभी उपस्थित लोगों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सभी का धन्यवाद किया।श्याम सुन्दर सोनी ने भी संबोधित करते हुए कहा कि आज की विकट परिस्थिति में इस खुशनुमा माहौल से सीख लेने की आवश्यकता है। सभी समाज की उपस्थिति अत्यंत सराहनीय हैं।

अब नही लगाना पड़ेगा हितग्राहियों को रायपुर का चक्कर

बलौदाबाजार 27 अप्रैल 2022/ जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय बलौदाबाजार में जिलें के थानों द्वारा पंजीकृत वर्ष 1920 से 2008 तक के जन्म एवं मृत्यु पंजीयन का अभिलेख थानो से एवं रायपुर अभिलेख शाखा से प्राप्त कर लिया गया है।इन अभिलेखों को जिला कार्यालय में संधारित किया जा रहा है। हितग्राहियों से आवेदन प्राप्त कर कार्यालय द्वारा वर्ष 2008 के पूर्व के संधारित अभिलेखों के परीक्षण उपरांत पंजीयन की दशा में हितग्राहियों को समय-सीमा के भीतर जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र प्रदाय किया जा रहा है। यदि किसी का पंजीयन दर्ज नही होता है , तो अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र प्रदाय किया जाता है।जिसे प्राप्त कर हितग्राही संबंधित तहसीलदार से

अनुज्ञा लेकर घटना का विधिवत पंजीयन करा सकते है।

कलेक्टर डोमन सिंह द्वारा 26 अप्रैल को जनदर्शन में आवेदक श्री नंदकुमार साहू को उनके पिता स्व. श्री रूंगु साहू का मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं श्री कुश कुमार साहू को उनके पिता स्व. श्री मोजीराम साहू का अनुपलब्धता प्रमाण पत्र प्रदाय किया गया। जिला योजना एवं सांख्यिकी अधिकारी सुमीत कुमार मेरावी ने बताया कि वर्ष 2008 के पूर्व जिला बलौदाबाजार से संबंधित जन्म-मृत्यु पंजीयन रिकार्ड थानो से एवं अभिलेख शाखा रायपुर से प्राप्त कर लिया गया है। हितग्राहियों के आवेदन के पश्चात् अभिलेख की जांच कर पंजीयन होने की दशा में प्रमाण पत्र एवं पंजीयन नही होने की दशा में अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र प्रदाय किया जा रहा है।

जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा चिटफंड कंपनी के एक और फरार आरोपी डायरेक्टर को गिरफ्तार करने में मिली सफलता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दीपक झा द्वारा जिले की चिटफंड कंपनी प्रकरणों की स्वयं सतत् मॉनिटरिंग करते हुए फरार डायरेक्टरों का गिरफ्तारी का विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिनके निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीताम्बर पटेल एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी भाटापारा सिद्धार्थ बघेल के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण उपनिरी रोशन सिंह राजपूत के नेतृत्व में सनशाइन इंफ्राबिल्ड कंपनी चिटफंड के डायरेक्टर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम दिल्ली गाजियाबाद नोएडा रवाना किया गया था, जो लगातार 10 दिनों तक कड़ी मेहनत के फलस्वरुप फरार डायरेक्टर संजीव सिंह बघेल की गिरफ्तारी में सफलता मिली है। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण प्रार्थी राम कुमार रावटे निवासी ग्राम खपरी ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि सनशाइन इंफ्राबिल्ड कारपोरेशन लिमिटेड के डायरेक्टरों द्वारा लोक लुभावनी स्कीम बता कर अधिक ब्याज का लालच, देकर कुल 152 लोगों से ?22,03,415 जमा करा कर कंपनी को बंद कर

फरार हो गया। कि रिपोर्ट पर अपराध धारा पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण की विवेचना दौरान चिटफंड कंपनी सनशाइन इंफ्राबिल्ड कंपनी के *फरार डायरेक्टर संजीव सिंह बघेल पिता अमर सिंह बघेल उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम सीमा राव भिंड मध्य प्रदेश* को लगातार 10 दिनों तक दिल्ली नोएडा गाजियाबाद में पतासाजी करते हुए ग्राउंड वर्क बारीकी से बारीक जानकारी का विश्लेषण कर तस्दीक उपरांत फरार डायरेक्टर संजीव बघेल के ठिकाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी इकट्ठा कर लगातार 01 सप्ताह उसके ठिकाने का कड़ी निगरानी किया गया, लेकिन आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदलते रहता था। *दिनांक 25.04.2022 को आरोपी के नोएडा स्थित आम्रपाली प्रिंसली स्टेट फ्लैट में होने की जानकारी पुख्ता कर पुलिस टीम द्वारा रेड कार्रवाई* किया गया, जिसमें आरोपी पकडा गया, जिसे हिरासत मे लेकर बलौदाबाजार लाया गया है, विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जाएगा। आरोपी डायरेक्टर के गिरफ्तारी में थाना प्रभारी भाटापारा ग्रामीण उपनिरी रोशन सिंह राजपूत, प्रधान आरक्षक समीर शुक्ला, आरक्षक अरविंद कौशिक, आरक्षक राम स्नेही केवट का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

साईं प्रसाद चिटफंड कंपनी की प्रॉपर्टी हुई नीलाम

ट्रांसपोर्ट नगर स्थित संपत्ति दो करोड़ में बिकी

कोरबा. कोरबा शहर में साईं प्रसाद चिटफंड कंपनी की टी.पी. नगर क्षेत्र स्थित दो मंजिला भवन इस बार एक करोड़ 98 लाख में बिका है। यह पिछली बार से 40 लाख रुपए अधिक है। पिछली बार नीलामी में सबसे अधिक बोली एक करोड़ 58 लाख रुपए की थी। अब प्रॉपर्टी को लेने के लिए खरीदार को एक माह के भीतर राशि जमा करनी होगी कोरबा जिले में साईं प्रसाद चिटफंड कंपनी ने हजारों लोगों से रकम दोगुना होने का लालच देकर निवेश कराया था। एक अनुमान के मुताबिक 177.98 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी हुई है। राज्य शासन ने चिटफंड कंपनियों की संपत्ति कुर्क कर उससे मिली राशि को निवेशकों को वापस लौटाने का निर्णय लिया है। इसी के तहत साईं प्रसाद कंपनी की टी.पी. नगर क्षेत्र में स्थित 400 वर्ग फुट में बने दो मंजिला मकान को कलेक्टर ने कुर्क कर दिया था। इसके बाद नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई थी। जिला प्रशासन ने भूखंड और मकान की कीमत 1 करोड़ 33 लाख 91355 रुपए निर्धारित की थी। तहसील कार्यालय में हुई नीलामी में 4 लोगों ने भाग लिया। इसमें सबसे अधिक बोली नरेंद्र अग्रवाल ने एक करोड़ 98 लाख रुपए की लगाई है। श्री अग्रवाल को राशि जमा करने एक माह का समय दिया गया है।

संपादकीय

कोरोना से जंग जारी

इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना वैक्सीन ने महामारी की रोकथाम की दिशा में बेहतर काम किया है। दुनिया के 5.12 अरब लोगों मतलब 66.7 प्रतिशत आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है। दुनिया के 60 प्रतिशत लोगों का पूरी तरह से टीकाकरण हो चुका है और 24 प्रतिशत लोग बूस्टर डोज प्राप्त कर चुके हैं। यह भी अपने आप में रोचक है कि दुनिया में सबसे अव्वल संयुक्त अरब अमीरात में 99 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, जबकि बुरुंडी और कांगो जैसे देशों में एक प्रतिशत लोग भी पूरी तरह से टीकाधारी नहीं हुए हैं। भारत में 62 प्रतिशत लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है और लगभग दो प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक वाले होने वाले हैं। भारत में इन दिनों एक ओर, कोरोना के बढ़ते मामलों की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर, पांच साल से 11 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन देने की तैयारी भी चल रही है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ पैनल ने 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की सिफारिश कर दी है।

हैदराबाद स्थित फर्म बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कॉर्बेवैक्स कोविड-19 के खिलाफ भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। गौर करने की बात है कि इस साल 16 मार्च से 12 से 14 साल के बच्चों को कॉर्बेवैक्स ही दिया जा रहा है। वैसे बच्चों के टीकाकरण में अमेरिका आगे चल रहा है। वहां बीते दिसंबर में ही पांच से ज्यादा उम्र के बच्चों का टीकाकरण शुरू हो गया था और जून महीने के बाद पांच साल से कम उम्र के बच्चों को भी टीका मिलने लगेगा। ब्रिटेन में पांच साल से ज्यादा उम्र के उन्हीं बच्चों को टीका लग रहा है, जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। भारत में बच्चों को टीका लगाना जरूरी हो गया है, क्योंकि स्कूल खुल चुके हैं और उनका टीकाकरण व्यापक रूप से जरूरी हो गया है। पिछले सप्ताह में कोरोना मामलों में वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलावा अनेक इलाकों में मास्क की वापसी हो गई है। संक्रमण की इस नई वापसी को लेकर चिंता बनी हुई है। अभी एशिया और यूरोप के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर ने तनाव पैदा कर रखा है। इस बार कोरोना के ओमीक्रोन बीए1, बीए2 और एक्सई वेरिएंट्स के मामले ज्यादा हैं। मरीजों की स्थिति ज्यादा बिगड़ नहीं रही है, लेकिन संक्रमण की क्षमता बहुत ज्यादा है। संक्रमण तेजी से फैल रहा है, नतीजा यह है कि चीन ने अपने अनेक शहरों में लोगों को खिड़की खोलने से भी मना कर रखा है।

कोरोना को कतई हल्के से नहीं लेना चाहिए। दुनिया में अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने वाला चीन भी आश्वस्त नहीं है, उसे 3.32 अरब खुराक के इस्तेमाल के बावजूद बेहद कड़े लॉकडाउन की जरूरत पड़ गई है, तो संक्रमण के खतरे को समझा जा सकता है। अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। 1.87 अरब खुराक देने वाले भारत को कतई आश्वस्त नहीं होना चाहिए। कोरोना विचित्र बीमारी है, वैज्ञानिक अभी भी इसे पूरी तरह पहचान नहीं पा रहे हैं। इंग्लैंड में एक व्यक्ति 505 दिनों तक कोरोना पॉजिटिव रहने के बाद दुनिया से गया है। यह कैसी महामारी है, लोगों को अलग-अलग शिकंजे में जकड़ रही है।

शनि का कुंभ में राशि में परिवर्तनकर्माधिनेतारों शनि की इच्छाशक्ति

अब शनि 28 अप्रैल की रात से मकर राशि रात्रि की राशि से (अंधकार में) से उजाले की ओर प्रस्थान कर रहे..जबकि मकर राशि में शश महापुरुष योग भी बनाते हैं शनि का धनिष्ठा नक्षत्र से जब ऊर्जा मंद गति से तेज यानी मंगल की ऊर्जा लेकर यह राहु से मित्रता की ओर बढ़ जाएंगे

29 मार्च 2025 तक कुंभ राशि में रहेंगे शनि

शनि ग्रह को कुंभ राशि में प्रवेश दो चरणों में होगा। सबसे पहले शनि देव 29 अप्रैल से 4 जून तक कुंभ राशि में रहेंगे और इसके बाद 4 जून से 12 जुलाई तक वक्री में रहेंगे। इसके बाद 13 जुलाई को शनि मकर राशि में लौट आएंगे और 17 जनवरी 2023 तक मकर राशि में रहेंगे। इस दिन से शनि एक बार फिर से कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे और फिर 29 मार्च 2025 तक कुंभ राशि में ही रहेंगे। कुंभ राशि मानवीय शनि की स्थिर तामस गुण युक्त वायु तत्व राशि है अल्पजीवन शक्ति ,बौद्धिक अनुभव युक्त सुसंस्कृत दृष्टिकोण, इच्छाओं का घंडा है।जो बूँद बूँद संग्रहण, संगठन,अविष्कारक, शुद्धीकरण कलात्मक साहित्यिक सलाह पुनर्निर्माण को फोकस करती है।

पिछला गोचर ..... अतीत के झरोखे

शनि इससे पहले 5 मार्च 1993 मेंसूर्य और बुध के साथ कुंभ राशि में प्रवेश किया था उस समय गोचर में राहु वृश्चिक में और केतु वृषभ राशि में थे कन्या राशि में गुरु का गोचर था।

यह होगा असर

जब कुंभ राशि में प्रवेश किया था ढाई वर्ष तक इन्होंने अमेरिका रूस ने परमाणु शस्त्रागार हथियार कम करने की एक संधि,वहीं पर वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर इस्लामिक कट्टरपंथियों ने बमबारी भी की थी, जापान में सुनामी आई थी, कायना तेज भूकंप आया था, राष्ट्रीय उद्यान रॉयल में आग लग कर नष्ट हो गया था, नेल्सन मंडेला का चुनाव और सैटेलाइट टीवी सेवा से जुड़ गई थी..

शनि ग्रह

खगोलीय दृष्टि से शनि हमारे सौरमंडल में सूर्य से सबसे दूर स्थित ग्रह है। ज्योतिषीय दृष्टिकोण में बारह राशियों में शनि को मकर और कुम्भ राशि का स्वामी द्यमना गया है, शनि की उच्च राशि तुला तथा नीच राशि मेष है, शनि को एक क्रोधित ग्रह के रूप में उल्लेखित किया गया है। शनि का रंग काला नीला मिक्स है। शनि की गति नवग्रहों में सबसे धीमी है, इसी लिए शनि एक राशि में ढाई वर्ष तक गतिमान रहता है, और बारह राशियों के चक्र को तीस साल में पूरा करता है। ज्योतिष में शनि को कर्म, आजीविका, जनता, सेवक, नौकरी, अनुशाशन, दूरदृष्टि, प्राचीन वस्तु, लोहा, स्टील, कोयला, पेट्रोल, पेट्रोलियम प्रोडक्ट, चमड़ा, मशीन, औजार, तपस्या और अध्यात्म का कारक माना गया है। स्वास्थ की दृष्टि से शनि हमारे पाचनङ्कतंत्र, हड्डियों के जोड़, बाल, नाखून,और दांत को नियंत्रित करता है।

शनि का यह साल धनिष्ठा नक्षत्र का होगा 18 फरवरी 22 से 14 मार्च 2023 तक होंगे... शनि एक मंद गति एक माह में एक अंश चलते हैं और हम सब तेज गति से काम करना चाहते हैं, वहीं पर मंगल ऊर्जा का कारक होकर धनिष्ठा नक्षत्र में धन के नक्षत्र में शनि कर्म के अनुसार आपको यह फल देंगे.. परंतु आपके अपने कर्मों के अनुसार..

गोचर का प्रभाव

अगर इस समय ध्यान दें तो काल पुरुष की कुंडली में मेष राहु सेनापति होकर बैठ जाएंगे और बात बात पर ही आक्रामक हो जाएंगे ... वही गुरु मोक्ष के कारक होकर मीन राशि में बैठ जाएंगे और विचारों के धन को देना शुरू करेंगे, शनि देव

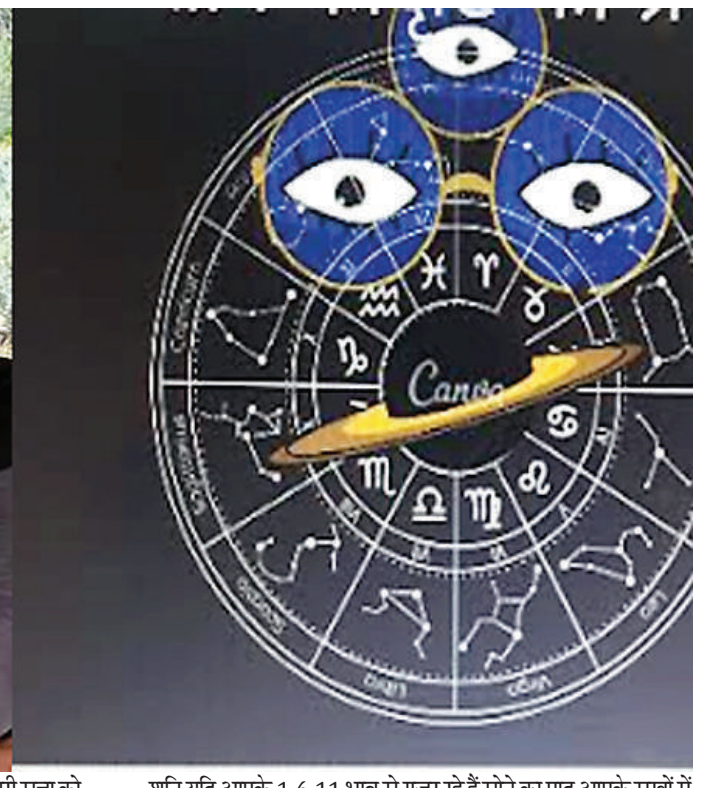

कर्म का फल देने के लिए एक रोल मॉडल के रूप में बूंद-बूंद करके सारी सत्ता को संवत्सर के राजा होकर संभालेंगे वहीं पर उनके मंत्री गुरु सलाहकार रूप में आ जाएंगे और मोक्ष के कारक तुला करके तू बन कर आ जाएंगे तो देखें जीव की यात्रा राहु गुरु के रूप में होगी जो कि नए शिशुओं के लिए अच्छा समय के रूप में नहीं होगी निश्चित रूप से . काल पुरुष ओर शनि काल पुरुष के भाव की बात करते हैं तो कौन कौन से भाव एक्टिव हो रहे हैं 1,7,11,12.. लग्नेश मंगल का गोचर, सप्तमेश शुक्र का गोचर, एकादश शनि , और द्वादश गुरु.. का जुड़ाव जिस जिस ग्रह से होता जाएगा मैं था वह फल देता।

शनि के साथ कौन-कौन से ग्रह गुजरने वाले.. ईयर

मंगल शुक्र बुध चंद्र.. कुछ दिन बाद गुरु वक्री होकर शनि से जुड़ेंगे.. वही शनि की दृष्टि राहु पर होगी, सूर्य पर होगी, और मंगल पर.. नए संवत्सर में शनि के सलाहकार गुरु जब इनके साथ गोचर में होंगे तभी काफी चीजें बहुत अच्छी होंगी अगर सलाहकार आगे होगा तो निश्चित ही है शनि के लिए भी अच्छा समय होगा क्योंकि गुरु जैसा ग्रह अगर सलाहकार आगे आगे चलता है तो राजा कोई मुश्किल से निकल आएगा.. अर्थव्यवस्था और रोजगार को लेकर.

शनि की पाद के अनुसार

29 अप्रैल से शनि का राशि परिवर्तन के समय चंद्रमा आपकी राशि से कहां गोचर कर रहे हैं उसके अनुसार आपको यह शनि फल देने वाले हैं।

शनि के पाद के अनुसार फल कथन

शनि यदि आपके 1,6,11 भाव से गुजर रहे हैं सोने का पाद आपके सुखों में वृद्धि करने वाला होगा,,

यदि शनि 2,5,9 स्थानों से गुजर रहे हैं तो रजत पाद होगा यह सौभाग्य और सुख की आप की वृद्धि करेगा

यदि शनि आपके आपके 3,7 और 10 भाव से गोचर में हैं तो तांबे का पाद मध्यम फल होगा,

यदि शनि आपके 4,8,12 भाव से गुजर रहा है यह लोहे का पाद होगा यह आपके धन-धान्य आदि को नष्ट करेगा और आपके लिए शुभ नहीं होगा.

इस तरह से विभिन्न राशियों को पाद के अनुसार फल विभिन्न राशियों का

मेष सिंह और धनु राशि लोहे का पाद

मकर कन्या मिथुन तांबे का पाद

कुंभ वृश्चिक कर्क रजत पाद

वृषभ, तुला मीन स्वर्ण पाद मैं गोचर करने जा रही हैं जा रही है..

शनि की दृष्टि का फल

शनि जहां बैठते हैं वहां अच्छा करते हैं और 3,7,10 उनकी दृष्टि होती है वहां उसकी दृष्टि के अनुसार उसे फल देते हैं...

तीसरी दृष्टि का फल(मेष)तीसरी दृष्टि को सबसे शक्तिशाली और खतरनाक माना गया है। यह व्यक्ति को संघर्ष या मेहनत से फल देती है..32 उम्र वालों पर ज्यादा प्रभावी होती है.. यह आपके पराक्रम को सही दिशा नहीं देने देगा क्या आप जो भी काम करेंगे उसमें आपका समय व्यर्थ चला जाएगा इसके लिए आपको अपने टाइम टेबल को सही रखना होगा..

सातवीं दृष्टि का फल (सिंह) यह दृष्टि भी सुख देगी क्योंकि सप्तम की दृष्टि आपके पार्टनरशिप पर हर राशि के लिए है आप सामने वाले को अच्छे से कोई बात को समझा नहीं सकते हैं और सामने वाला आपको हमेशा गलत दिशा की ओर समझ सकता है. इसके लिए आप सामने वाले की बात को सुनना शुरू कर दीजिए.

दसवीं दृष्टि का फल (वृश्चिक) यह दृष्टि आपके रोजगार आपके कर्म क्षेत्र की होगी तो आपको यहां अपने कर्मों का लेखा जोखा रोज का रखना होगा गलत कर्म से पैसा नहीं कमाना होगा वही इनकम आपकी कम हो सकती है परंतु जो ऑप्शन आएंगे उसमें ही आपको विकल्प ढूंढना होगा.

शनि का प्रभाव

मानसिक शारीरिक रूप से दोनों रूप से पड़ता है... सनी जब बुरा करते हैं कंचन, (धन) कामिनी (शरीर) ,कला (कार्य क्षेत्र), कोर्ट, कचहरी, कलह, इस प्रकार 6 तरह से कर्मों की सजा देते हैं..

साढ़ेसाती में शनि का फल कथन शरीर के अंगों पर विशेष इनका वास

7 माह मस्तिष्क पर हानि
9 मास नेत्र पर हानि
8 मास मुख पर हानि
6 मांस कंठ पर लाभ
10 मास ह्रदय में लाभ
11 मास उदर में लाभ
5 मास नाभि में भय
4मास गुदा में मृत्यु
13मास घुटने में भय
12मास जंघा में सुख
5मास चरण में यात्रा

यह विचार करना बहुत जरूरी होता है शारीरिक और मानसिक दृष्टि से.. शनि हमारे पुराने संचित कर्मों के अनुसार फल देते हैं इसलिए शनि को समझना इतना सरल नहीं होता है

उपचार कर्मों के अनुसार

बुद्धि और ज्ञान से सभी भाव जुडते है। धर्म और कर्म यदि लाभ से जुड़े तो योगकारक है। इच्छा महत्वपूर्ण होने पर ही कर्म किये जाते है और पूरा जीवन इस तरह इच्छाओं पर आधारित है। और कर्म हानि तो आय की हानि निश्चित है। कालपुरुष की कुंडली मे शनि कर्म प्रधान और आय प्रधान दोनो इसलिए भी है। *कर्माधिनेतारों* कर्म को प्रधानता दी गई हैऔर शनि यदि आपके लिए योगकारक नहीं है या आपने कर्म को महत्व नहीं दिया तो आय की हानि अपने आप ही हो जायेगी। शनि अपने प्रभाव मे कर्म से आय जरूर कम करते है इसलिए कुछ घंटे पहले निःस्वार्थ काम जरुर करे तो हानि नहीं होगी और फिर आप आय के लिए कार्य करे। तो आय भी बढेगी। समाजिक कार्य करने से जैसे सेवा करना, गरीबों को पढाना पेड़ों मे पानी देना मंदिर और घाटों की सफाई करना अस्पतालों मे या वृद्ध के लिए रूकना बिमारो के लिए या जो कार्य आपको अच्छा लगे जरुर वह भी करें क्योंकि यह कार्य मन की शांति और समाज मे प्रतिष्ठा भी बढेगी और शनि देव की इच्छा भी पूरी हो जायेगी। अगर जीवन मे कुछ योग खराब भी है तो आपको कर्म करना नहीं छोडना चाहिए यदि कर्म करते हुए आप सफल हुए तो सुख भोगेगे यदि कम सफल हुए तो कार्य का अनुभव हो जायगा जो भविष्य मेकम समय मे ज्यादा लाभदायक होगा।अंजना ज्योतिषाचार्य।.. इससे संबंधित विशेष जानकारी के लिए आप मुझे कांटेक्ट कर सकते हैं 9407555063)

अंतरिक्ष में भी बना लिया चीन ने अपना घर

(मुकुल)

अंतरिक्ष की रेस में चीन ने बड़ी छलांग लगाई है। उसके तीन अंतरिक्ष यात्री करीब 183 दिन स्पेस में बिताकर वापस लौट आए हैं। चीन के अंतरिक्ष यात्री स्पेस में अपने घर, यानी खुद के बनाए स्पेस स्टेशन पर रुके थे। चीन ने अब स्पेस से धरती तक वापसी में लगने वाला समय भी घटा लिया है। चीन के मिशन शेनझोउ-13 के अंतरिक्ष यात्री सिर्फ 8 घंटे में धरती पर लौटे, जबकि इससे पहले के शेनझोउ-12 मिशन की वापसी में लगभग 28 घंटे लगे थे।

तियांगोंग चीन के स्पेस स्टेशन का नाम है। अभी यह स्पेस स्टेशन पूरी तरह से तैयार नहीं है। चीन का इरादा है कि वह इसे इस साल पूरी तरह से बना लेगा। इसके लिए इस साल वह 6 और मिशन स्पेस में भेजेगा। इसके बाद तियांगोंग काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएगा, और यह अगले 10 साल तक आबाद रहेगा। चीन अपने स्पेस स्टेशन पर जून में ही तीन और अंतरिक्ष यात्री भेजेगा। शेनझोउ-14 मिशन की टीम स्टेशन में दो मॉड्यूल जोड़ेगी और वहां 6 महीने बिताएगी। इसके बाद शेनझोउ-15 मिशन के तहत और चीनी अंतरिक्ष यात्री स्पेस स्टेशन पहुंचेंगे।

कहा जा रहा है कि 2024 के बाद इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन रिटायर हो जाएगा। इसके बाद चीन का तियांगोंग ही दुनिया का इकलौता स्पेस स्टेशन होगा, जहां अंतरिक्ष यात्री रह पाएंगे। इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन ने सोवियत यूनियन के स्पेस स्टेशन 'मीर' की जगह ली थी। अब समझा जा रहा है कि चीन का स्पेस स्टेशन आने वाले 10 सालों में अंतरिक्ष की दुनिया में अहम भूमिका निभाने वाला है।

स्पेस में अपना घर बनाने के साथ ही चीन का इरादा है कि वह स्पेस टूरिज्म में भी अपना हाथ आजमाए। चीन ने अपने दम पर 2003 में पहला अंतरिक्ष यात्री भेजा था। तब से अब तक स्थिति काफी बदल गई है। चीन के पहले अंतरिक्ष यात्री यांग लिवेई का कहना है कि जल्द ही आम लोग बिना किसी खास ट्रेनिंग के अंतरिक्ष की सैर का मजा लेंगे। लिवेई ने कहा, 'यह अब तकनीक का मुद्दा नहीं रहा है, बल्कि डिमांड की बात बन चुका है।' चीन के स्पेस स्टेशन के वाइस चीफ डिजाइनर बेई लिनहोउ का कहना है कि तियांगोंग स्टेशन हमने बिना किसी की मदद से बनाया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे देशों को यहां आने का मौका नहीं मिलेगा। इस स्टेशन को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि दूसरे देशों के अंतरिक्ष यात्री भी यहां आराम से काम कर सकते हैं। स्टेशन में समय आने पर और भी केबिन जोड़े जा सकते हैं लेकिन अभी जो केबिन हैं, पहले उन्हें काम करने के लायक बनाना है। इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन के मुकाबले चीनी स्पेस स्टेशन अभी बजट के हिसाब से काफी छोटा बनाया गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन का कहना है कि जब चीन का स्पेस स्टेशन पूरी तरह बन जाएगा तो इसे संयुक्त राष्ट्र के सभी देशों के लिए खोल दिया जाएगा। इस स्टेशन पर किए जाने वाले प्रयोगों के लिए पहले ही 17 देशों और 23 संस्थाओं के 9 प्रॉजेक्ट्स चुन लिए गए हैं। रूस और अमेरिका के बाद चीन अपने दम पर अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजने वाला तीसरा देश है। भारत भी 'गगनयान मिशन' में अपने अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस में भेजने की तैयारी में है, रूस इसमें मदद कर रहा है। क्या भारत भी अपने स्पेस स्टेशन की तैयारी में है? इस पर इसरो का कहना है कि स्पेस स्टेशन से जुड़े काम गगनयान मिशन के बाद की बात हैं। भविष्य में स्पेस स्टेशन के प्रस्ताव और इसके तौर-तरीकों पर काम किया जाएगा। चीन ने अपने स्पेस स्टेशन पर सभी देशों को शामिल करने की बात तो कही है, लेकिन यह भविष्य की स्थितियों पर निर्भर है। जिस तरह रूस-यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का असर इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन तक जा पहुंचा और रूस ने इसके क्रैश होने की बात कही, उससे साफ है कि स्पेस स्टेशन जिसका होगा, चलेगी भी उसी की। आने वाले दिनों में अंतरिक्ष पर उसी का राज होगा जिसके पास वहां अपना घर यानी अपना स्पेस स्टेशन होगा। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

नौजवान कंधों पर कितनी सियासत

पिछली एक सदी में दुनिया काफी बदली है। खासकर उन देशों में, जहां लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं ने अपने पैर मजबूती से जमाए हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही होती है कि वह अपने भीतर किसी भी तरह के विरोध को अभिव्यक्त होने और उसे संगठित होकर छा जाने के पूरे अवसर देता है। फ्रांस के नौजवान जब सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होते हैं और बदलाव की बेचैनी उन्हें परेशान करती है, तो मैक्रों को हराने के लिए बड़े पैमाने पर मतदान करते हैं। उनके वोट या तो अति-राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी पार्टी की झोली में जा गिरते हैं या फिर वे उन समाजवादियों की तरफ आकर्षित होते हैं, जिन्होंने पश्चिमी यूरोप की राजनीति में अपने लिए अभी भी जगह बचाकर रखी है।

(हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार)

इस पूरे महीने देश के विभिन्न हिस्सों में जो उथल-पुथल दिखी, उसका चेहरा पूरी तरह से युवा था। वे लोग, जो जुलूसों में तलवारें और कई दूसरे हथियार लहरा रहे थे, वे भी युवा थे और वे, जो अपत्तिजनक नारे लगा रहे थे, वे भी युवा थे। तमाम मामलों में पुलिस ने जिन लोगों को गिरफ्तार किया, वे भी युवा ही हैं। हम चाहें, तो इस सबके लिए कुछ राजनीतिक दलों, संगठनों और गुटों को दोष दे सकते हैं, साथ में यह तर्क भी नत्थी किया जा सकता है कि इन सबके नेता नौजवान नहीं हैं और नौजवानों के जरिये वे बस अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं, लेकिन सड़कों पर अपनी आक्रामकता दिखाने के लिए उन्हें इस संख्या में युवा उपलब्ध हो रहे हैं, तो मामला और भी गंभीर हो जाता है। इसी से जुड़ा एक सवाल यह है कि ऐसे नौजवान कुछ खास तरह की ताकतों को ही क्यों उपलब्ध हो रहे हैं?

इसका एक दूसरा पहलू देखने के लिए हमें फ्रांस जाना होगा, जहां पिछले दिनों दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव लड़ रहे इमैनुएल मैक्रों पहले चरण में आगे निकल गए। उस मतदान का जब आबादी के लिहाज से विश्लेषण किया गया, तो कई दिलचस्प बातें सामने आईं। यह पाया गया कि अगर सिर्फ नौजवानों के वोटों को गिना जाता, तो मैक्रों तीसरे नंबर पर आते। नौजवानों की पसंद मध्यमार्गी मैक्रों की जगह वाम व दक्षिण, दोनों तरफ के अतिवादी थे। इस पर टिप्पणी करते हुए एक पत्रिका ने लिखा कि इमेनुएल मैक्रों को उन लोगों ने पहले नंबर पर पहुंचाया, जिनके बाल या तो सफेद हो चुके हैं या फिर वे लोग, जिनके सिर से बाल विदा हो चुके हैं। फ्रांस दुनिया के उन देशों में से है, जहां आबादी का बड़ा हिस्सा अब नौजवानी की उम्र पार कर चुका है।

लेकिन फ्रांस अकेला ऐसा देश नहीं, जहां के युवा और पकी उम्र के लोग अपना राजनीतिक भविष्य बिल्कुल अलग-अलग तरह से देख रहे हैं। जर्मनी, इटली और स्पेन जैसे तमाम देशों के चुनावों में यही रुझान दिखा है। कुछ हद तक अमेरिका और ब्रिटेन में भी यही हुआ है। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव हारने के बाद जिन लोगों ने कैपिटोल हिल पर धावा बोला था, उनकी उम्र का विश्लेषण भी ऐसी ही कहानी कहता है।

इसमें कोई हैरत की बात भी नहीं है। जो सरकार से मिल रही पेंशन पर निर्भर हैं, जिन्हें तरह-तरह की किस्तें भरनी हैं या जिन पर परिवार की दूसरी जिम्मेदारियों का बोझ है, उनकी सोच उस नई उम्र की नई फसल से अलग होगी ही, जिनके अंदर कई तरह की बेचैनियां हैं और जिनका अभी दुनियादारी से ज्यादा पाला नहीं पड़ा है। यह हमेशा ही होता रहा है।

एक सदी पहले, जब दुनिया वामपंथ की ओर बढ़ती दिखाई दे रही थी, तब पूरी दुनिया और खासकर यूरोप में एक चुटकुला चलता था। चुटकुला यह था कि 18 साल की उम्र तक अगर कोई वामपंथी न हो जाए, तो उसे डॉक्टर यानी मनोचिकित्सक को दिखाना चाहिए, और अगर कोई 50 साल की उम्र के बाद वामपंथी हो जाए, तो उसे भी डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह भी कहा जाता रहा है कि क्रांतियां नौजवान कंधों पर सवार होकर ही सत्ता पर काबिज होती हैं। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी यही कथानक पढ़ा जा सकता है। आजादी के बाद हुए संपूर्ण क्रांति आंदोलन को तो खैर पूरी तरह युवा आंदोलन ही माना जाता है।

पिछली एक सदी में दुनिया काफी बदली है। खासकर उन देशों में, जहां लोकतंत्र और उसकी संस्थाओं ने अपने पैर मजबूती से जमाए हैं। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही होती है कि वह अपने भीतर किसी भी तरह के विरोध को अभिव्यक्त होने और उसे संगठित होकर छा जाने के पूरे अवसर देता है। फ्रांस के नौजवान जब सरकार की नीतियों से असंतुष्ट होते हैं और बदलाव की बेचैनी उन्हें परेशान करती है, तो मैक्रों को हराने के लिए बड़े पैमाने पर मतदान करते हैं। उनके वोट या तो अति-राष्ट्रवादी दक्षिणपंथी पार्टी की झोली में जा गिरते हैं या फिर वे उन समाजवादियों की तरफ आकर्षित होते हैं, जिन्होंने पश्चिमी यूरोप की राजनीति में अपने लिए अभी भी जगह बचाकर रखी है। समय-समय पर विभिन्न मांगों को लेकर वे आंदोलनों और प्रदर्शनों का हिस्सा भी बनते हैं, लेकिन वे तलवारें लहराते हुए सड़कों पर नहीं निकलते। तब भी नहीं, जब तमाम कोशिशों के बावजूद इमैनुएल मैक्रों को सत्ता से बाहर करने में नाकाम रहते हैं। वे किसी समुदाय के खिलाफ नारे नहीं लगाते, न ही किसी इमारत पर झंडा फहराने का क्षणिक सुख हासिल करने की कोशिश करते हैं। उनकी सक्रियता फ्रांस के चेहरे पर चिंता की लकीर बनकर नहीं उभरती।

दुनिया का सबसे सख्त कानून वाला देश है सऊदी अरब

- इसके इलावा सऊदी अरब दुनिया का सबसे सख्त कानून वाला देश है।
- नेपाल दुनिया का एक ऐसा देश है जो आज तक किसी का गुलाम नहीं हुआ।
- संसार का सबसे बड़ा रेगिस्तान सहारा रेगिस्तान है।

- संसार की सबसे महंगी वस्तु यूरेनियम है।
- रूस संसार का एक ऐसा देश है जिसके एक भाग में दिन होता है और दूसरे भाग में रात होती है।
- संसार का सबसे बड़ा महासागर प्रशांत महासागर है।
- संसार की सबसे प्राचीन भाषा का नाम संस्कृत है।
- यूरोप एक ऐसा महादीप है यहां पर कोई भी रेगिस्तान नहीं है।
- अलस्का में सबसे ज्यादा सोना पाया जाता है।
- पाकिस्तान में सबसे ज्यादा गधे पाए जाते हैं।
- स्विजरलैंड विश्व का एकलौता ऐसा देश है जिसने आज तक युद्ध नहीं लड़ा।

- भारत का पहला मुगल सासक बाबर था।
- हांगकांग पर अंग्रेजों ने 156 वर्षों तक राज किया।
- चीन की सरहद के साथ 14 देश लगते हैं।
- इंडोनेसिया में सबसे ज्यादा मुश्लिम आबादी है।
- अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा आबादी पठानों की है।
- ब्राजील देश का नाम पेड़ के नाम से रखा गया है।
- संसार की सबसे गहरी झील बैकाल झील है जो रूस में है।

क्या कभी सोचा है कि संगीत का मजा भी बिना वाद्यों की संगत के आ सकता है? नहीं न, तो देखो कैसे-कैसे बनता है संगीत।

अनोखे म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स

पानी-पानी संगीत

जाहिर है कि प्रकृति से बेहतर संगीत और कहीं नहीं होता। पंछी जो गीत गाते हैं उनका सुरीलापन तो सबको मोह लेता है। तो हवा की तरह ही पानी भी संगीत पैदा कर सकता है। जलतरंग जैसे वाद्य तो तुमने देखे-सुने होंगे ही। एक और मजेदार सा इंस्ट्रूमेंट है 'हायड्रॉलोफोन।' यह पानी से सुर उत्पन्न करता है। इसे एक तरह से पानी पर ही उंगलियां चलाकर बजाया जाता है और दुनिया में कई जगह इसकी छोटी-बड़ी अलग-अलग आकृतियां मिल सकती हैं। कहीं आधे चंद्रमा के आकार की तो कहीं मछली के आकार की। मजेदार बात यह भी है कि पानी के अलावा इसमें अन्य प्रकार के तरल पदार्थों का भी उपयोग कई बार किया जाता है। कहा जाता है कि सबसे पहले जो हायड्रॉलोफोन लोगों के सामने आया उसे 'स्टीव मान' नाम ने बनाया था और खासतौर पर यह उन लोगों के लिए बनाया गया, जिनकी नजर कमजोर हो। बाद में इसके और भी मॉडिफाइड रूप सामने आते रहे हैं।

गाने वाला पेड़

इंग्लैंड के लंकाशायर में बनी इस मजेदार सी कलाकृति में संगीत भी बसा है। मूलत: यह एक स्कल्पचर है जो पेड़ के आकार में बना है और हवा के इशारों पर काम करता है। 2006 में बना यह आर्ट वर्क एक आर्ट सीरीज का हिस्सा है, जिसमें करीब चार अलग-अलग स्कल्पचर बनाए गए हैं। इसे माइक टॉन्किन और एना लियु ने डिजायन किया है। लगभग तीन मीटर ऊंचा यह ट्री गैल्वेनाइज्ड स्टील पाइप्स से बना हुआ है, जो हवा की एनर्जी से संगीत बनाते हैं। यह संगीत चर्च में गाए जाने वाले 'कॉयर'' जैसा प्रतीत होता है।

आग की धुन

अब जब पानी और हवा की धुन सुरीली हो तो भला आग से कैसे बचा जा सकता है। वो भी तब, जब आग लय-ताल की बात कर रही हो। तो इसके लिए संगीत प्रेमियों ने रचा 'फायर ऑर्गन'' या पायरोफोन। इसके जनक हैं 'जॉर्जेस फ्रेड्रिक यूजीन कैस्थर।' इस इंस्ट्रूमेंट को बजाने के लिए अधिकांशत: प्रोपेन का प्रयोग होता है लेकिन गैसोलीन और हायड्रोजन भी इसके लिए प्रयोग में लाए जा सकते हैं। इसके लिए जो पाइप्स या चैंबर्स यूज़ होते हैं वे मैटल या कांच के हो सकते हैं। गैसोलीन या प्रोपेन को चैंबर्स में प्रवाहित करके आग को बढ़ाया-घटाया जाता है और इससे जो इंटरनल कंबशन होता है उससे ही सुरों की उत्पत्ति होती है। इस वाद्य को भी अलग-अलग आकारों में बनाया जाता है।

समुद्र का फेफड़ा
कहलाती है समुद्री घास

- जमीन पर उगने वाली हरी-भरी घास जितनी खूबसूरत और आंखों को सुकून देने वाली होती है, उससे भी खूबसूरत होती है समुद्र के अंदर उगने वाली तरह-तरह की घास।
- दुनियाभर के समुद्रों के अंदर 72 से अधिक तरह की घास मिलती है। इनमें से कुछ के पत्ते चौड़े होते हैं, कुछ तरह की घास तीन पत्तियों वाली होती हैं तो कुछ विशेष तरह की घास के पत्ते काफी लंबे-लंबे होते हैं।
- फ्लोरिडा के दक्षिण में 13,934 वर्ग किलोमीटर में फैला है सबसे बड़ा समुद्री घास का मैदान।
- सबसे अधिक गहराई में मिलने वाली समुद्री घास 90 मीटर की गहराई में मिलती है।
- सबसे लंबी समुद्री घास जापान के पास मिलती है, जिसकी लंबाई लगभग 11 फुट तक होती है।
- इंग्लैंड के पास के समुद्र में दो घास के बड़े मैदान हैं, जहां समुद्री घोड़ों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं।
- समुद्री घास ऑक्सीजन का इतना अच्छा स्रोत है कि इसे समुद्र का फेफड़ा कहा जाता है, क्योंकि एक वर्ग मीटर समुद्री घास के मैदान से रोजाना 10 लीटर ऑक्सीजन का निर्माण होता है।
- दुनियाभर में उत्सर्जित होने वाले 12 प्रतिशत कार्बन के दुष्प्रभाव को समुद्री घास संतुलित करती है, जबकि यह समुद्र तल के 0.1 प्रतिशत हिस्से में ही फैली है।

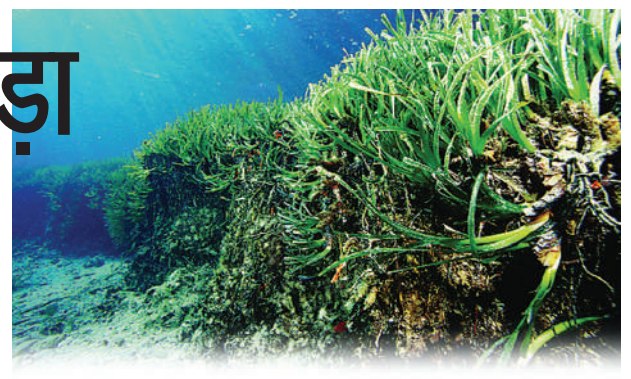

- वैज्ञानिक शोध के अनुसार 1980 से हर घंटे फुटबॉल के दो मैदानों के बराबर समुद्री घास का नुकसान हो रहा है, जिसे बचाने के लिए वैज्ञानिक काम कर रहे हैं।
- समुद्री घास से फ्रांस में ऐसी चटाई बनाई गई थी, जिसका इस्तेमाल गोलियों की चोट रोकने के लिए किया जा सकता था। पहले विश्व युद्ध के दौरान फ्रांस ने इसका इस्तेमाल भी किया था। इसे बैंडेज से लेकर गद्देदार बैठने की मैट के रूप में भी इस्तेमाल किया जा चुका है। अभी भी फर्नीचर के निर्माण में इसका इस्तेमाल किया जाता है।
- यह समुद्री जीव डुगोंग का प्रिय भोजन है, जो हर रोज 40 किलोग्राम तक समुद्री घास खा जाता है।
- यह कई तरह की मछलियों का भोजन और घर भी साबित होती है। बहुत सारी छोटी मछलियां, बड़ी मछलियों और अन्य जीवों के खतरे से खुद को बचाने के लिए भी इन घास के मैदानों में रहती हैं। झींगा भी ऐसी ही मछली है।
- कई मछलियां अपने बच्चों को जन्म देने और बड़ा करने के लिए घास के मैदानों को चुनती हैं।

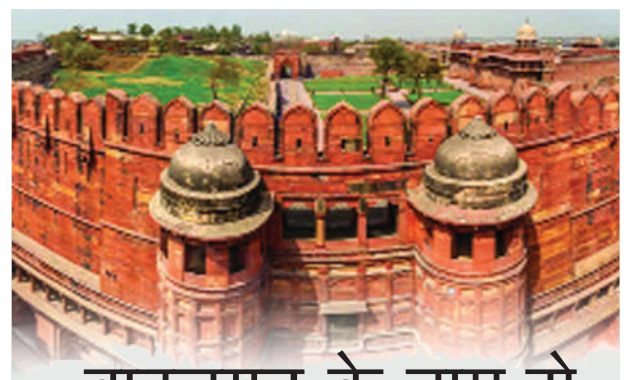

बादलगढ़ के नाम से भी जाना जाता है आगरा का किला

आगरा किले को आगरा के लाल किले के नाम से भी जाना जाता है.आगरा के ताजमहल से मात्र 15 किलोमीटर की दुरी पर मुगल काल बनाया गया यह किला आगरा की खूबसूरती में चार - चाँद लगा रहा है.यूं तो आगरा का प्रसिद्ध ताजमहल विश्व भर में प्रसिद्ध है. लेकिन साथ ही साथ आगरा का किला भी सैलानियों में कुछ कम प्रसिद्ध नहीं हैयूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल आगरा किले को देखने के लिए विश्व के कोने कोने से पर्यटक आते हैं.जी हां दोस्तों, आगरा किले से जुड़े रोचक व आश्चर्यजनक तथ्य

- आगरा किले को बादलगढ़ के नाम से भी जाना जाता है. क्युकि यह किला सबसे पहले हिन्दू-सिकरवार राजपूत किंग राजा बादल सिंह के पास था.
- समय-समय पर हुए कई युद्धों में इस किले के स्वामी बदलते रहे.यह किला गजनवी, लोदी वंश, मुगल वंश आदि के शासन का गवाह बना.
- इतिहासकारों के अनुसार अकबर के समय में यह किला जर्जर अवस्था में था.लेकिन अकबर ने इस किले के महत्व को समझा और अकबर द्वारा यह किला दोबारा बनवाया गया.
- इस किले को बनाने में लगभग 4000 कुशल कारीगरों का योगदान रहा था.
- आगरा के किले का बाहरी बाग लाल पथरो और अंदर का भाग ईंटो से बनाया गया था.
- आपको जानकर आश्चर्य होगा इस किले को दोबारा बनने में लगभग 8 साल का समय लगा तथा इसका निर्माण कार्य 1573 में पूरा हुआ था.
- इस किले के परिसर में दो मुख्य द्वार बनाये गए है. जिनमे से एक को दिल्ली गेट और दूसरे को लाहौर गेट के नाम से जाना जाता है.
- लाहौर गेट को अमर सिंह गेट के नाम से भी जाना जाता है.जो एक राजपूत ठाकुर के नाम पर रखा गया था. क्युकि अमर सिंह शाहजहां के दरबार के दरबारी थे और इन्हे सम्मान देने के लिए लाहौर गेट का नाम अमर सिंह गेट रखा गया था.
- आपको जानकर आश्चर्य होगा आगरा किले के परिसर में नौ महल बनाए गए हैं.जिनमें जहांगीर महल, शाहजहानी महल, मच्ची भवन, खास महल, दीवान ए खास, दीवान ए खास, शीश महल, अकबरी महल, बंगाली महल आदि बनाए गए हैं.
- आगरा के किले से राज करने वाले शासकों में अकबर, जहांगीर, शाहजहां, औरंगजेब जैसे मुगल शासक शामिल थे.
- आगरा के किले के दुर्लभ हिस्से आज भी भारतीय सर्वेक्षण विभाग की तालेबंदी में है.आप इन हिस्सों का दीदार दूर से ही कर सकते है.
- आगरा के किले का प्रसिद्ध शीश महल भी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग (एएसआई) की तालेबंदी में रखा गया है.ये महल वीवीआईपी के आगमन पर ही खोला जाता है.
- आगरा किला बहुमंजिली इमारत है, लेकिन पर्यटक इस किले की दो ही मंजिल का दीदार कर पाते है.

रंग-बिरंगी मिठाइयां

वसंत ऋतु छाई हुई थी। राजा कृष्णदेव राय बहुत ही खुश थे। वह तेनालीराम के साथ बाग में टहल रहे थे। वह चाह रहे थे कि एक ऐसा उत्सव मनाया जाए, जिसमें उनके राज्य के सारे लोग शामिल हों। पूरा राज्य उत्सव के आनंद में डूब जाए। इस विषय में वह तेनालीराम से भी राय लेना चाहते थे। तेनालीराम ने राजा की इस सोच की प्रशंसा की और इसके बाद राजा ने विजयनगर में राष्ट्रीय उत्सव मनाने का आदेश दे दिया। शीघ्र ही नगर को स्वच्छ करवा दिया गया, सड़कों व इमारतों में रोशनी की व्यवस्था कराई गई। पूरे नगर को फूलों से सजाया गया। सारे नगर में उत्सव का वातावरण था। इसके बाद राजा ने घोषणा की कि राष्ट्रीय उत्सव मनाने के लिए हलवाई की दुकानों पर रंग-बिरंगी मिठाइयां बेची जाएं। घोषणा के बाद नगर के सारे हलवाई रंगीन मिठाइयां बनाने में व्यस्त हो गए।

इस घोषणा के बाद कई दिनों तक तेनालीराम दरबार में नजर नहीं आए। किसी को भी उनके बारे में कुछ नहीं पता था। राजा कृष्णदेवराय ने तेनालीराम को ढूंढ़ने के लिए सिपाहियों को भेजा, लेकिन वे भी तेनालीराम को नहीं ढूंढ़ पाए। उन्होंने राजा को इस बारे में बताया। यह सुनकर राजा और भी अधिक चिंतित हो गए। उन्होंने दोबारा सिपाहियों को तेनालीराम की खोज में जुट जाने का आदेश दिया।

कुछ दिनों बाद सैनिकों ने तेनालीराम को ढूंढ़ निकाला। वापस आकर उन्होंने राजा को बताया, 'महाराज, तेनालीराम ने तो कपड़ों की रंगाई की दुकान खोल ली है। वह सारा दिन अपने इसी काम में व्यस्त रहते हैं। जब हमने उन्हें अपने साथ आने को कहा तो उन्होंने आने से मना कर दिया।'

यह सुनकर राजा को गुस्सा आ गया। वह सैनिकों से बोले,'मैं तुम्हें आदेश देता हूं कि तेनालीराम को जल्दी से जल्दी पकड़कर यहां ले आओ। अगर वह तुम्हारे साथ अपनी मर्जी से न आए तो उसे बलपूर्वक लेकर आओ।'

राजा के आदेश का पालन करते हुए सैनिक तेनालीराम को बलपूर्वक पकड़कर दरबार में ले आए।

राजा ने पूछा, 'तेनाली, तुम्हें लाने के लिए जब मैंने सैनिकों को भेजा तो तुमने शाही आदेश का पालन क्यों नहीं किया? और एक बात और बताओ। हमारे दरबार में तुम्हारा अच्छा स्थान है, जिससे तुम अपनी सभी आवश्यकताएं पूरी कर सकते हो। फिर भला तुमने यह रंगरेज की दुकान क्यों खोली?'

तेनालीराम बोले,'महाराज, दरअसल मैं राष्ट्रीय उत्सव के लिए अपने कपड़ों को रंगना चाहता था। नगर में बहुत सारे लोग उत्सव में पहनने के लिए अपने कपड़े रंगवाना चाहते हैं। इस काम में अच्छी कमाई है। इससे पहले कि सारे रंगों का इस्तेमाल दूसरे लोग कर लें, मैं रंगाई का काम पूरा कर लेना चाहता था।'

'सभी रंगों के इस्तेमाल से तुम्हारा क्या मतलब है? क्या नगर के सारे लोग अपने कपड़ों को रंग रहे हैं?' राजा ने पूछा।

'नहीं महाराज, वास्तव में रंगीन मिठाइयां बनाने के आपके आदेश के बाद से नगर के ज्यादातर हलवाई मिठाइयों को रंगने के लिए रंग खरीदने में व्यस्त हो गए हैं। अगर वे सारे रंगों को मिठाइयां रंगने के लिए खरीद लेंगे तो मेरे कपड़े कैसे रंगे जाएंगे?'

इतना सुनते ही राजा को अपनी भूल का अहसास हो गया। वह बोले,'तो तुम यह कहना चाहते हो कि मेरा आदेश अनुचित है।

मेरे आदेश का फायदा उठाकर मिठाइयां बनाने वाले मिठाइयों को रंगने के लिए घटिया व हानिकारक रंगों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जबकि उन्हें केवल खाने योग्य रंगों का ही इस्तेमाल करना चाहिए',

इतना कहकर महाराज ने तेनालीराम की तरफ देखा। तेनालीराम के चेहरे पर वही चिर-परिचित मुस्कराहट थी। राजा कृष्णदेव राय ने गंभीर होते हुए आदेश दिया कि जो मिठाई बनाने वाले हानिकारक रासायनिक रंगों का प्रयोग कर रहे हैं, उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। इस तरह तेनालीराम ने अपनी बुद्धि के इस्तेमाल से विजयनगर के लोगों को बीमार होने से बचा लिया।

कोरोना पर मीटिंग, विपक्ष पर निशाना : मोदी ने कहा-

कुछ राज्य पेट्रोल-डीजल पर टैक्स नहीं घटा रहे इससे जनता पर बोझ बढ़ा

नई दिल्ली

देश में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं, ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ वर्चुअल मीटिंग की। इसमें महामारी ओर यूक्रेन-रूस जंग के कारण देश की आर्थिक स्थिति पर हुए असर को लेकर भी चर्चा हुई। पीएम ने राज्यों से उनके हिस्से का टैक्स घटाने की अपील की है ताकि जनता पर महंगाई का बोझ कम किया जा सके। पीएम ने इस दौरान पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर विरोधी राज्य सरकारों पर निशाना भी साधा। उन्होंने कई राज्यों में पेट्रोल की कीमतों का अंतर गिनाया। कहा- मुंबई में 120 रुपए लीटर पेट्रोल है, जबकि पड़ोस के ही केंद्र शासित प्रदेश दमन दीव में यह 102 रुपए है। इसी तरह तमिलनाडु में 111 रुपए तो जयपुर में 118 रुपए लीटर है।

तीसरी लहर से सबक सीखा, आगे बनाए रखना होगा

सभी एलिजेबल बच्चों का जल्द से जल्द टीकाकरण हमारी प्राथमिकता है। पहले की तरह स्कूलों में विशेष अभियान चालने की जरूरत होगी। टीचर्स-पेरेंट्स और बाकी एलिजेबल लोग भी प्रिकॉशन डोज ले सकते हैं। उन्हें हमें जागरूक करते रहना होगा। तीसरी लहर के दौरान हमने हर दिन तीन लाख से ज्यादा केस देखे। हमने इसे हैंडल किया।

बढ़ते कोरोना केस पर जताई चिंता

इसके पहले उन्होंने कहा- मैं सभी कोरोना वॉरियर्स की प्रशंसा करता हूं, जिस तरह उन्होंने अब तक अपना काम किया है। कुछ राज्यों में कोरोना के केस बढ़ते रहे हैं। लेकिन कोरोना की चुनौती टली नहीं है। इसकी गंभीर हालत हो सकती है। ये यूरोप में देख रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में कई देशों में केस सामने आए हैं। हमने हालात को नियंत्रण में रखा है। पिछले दो हफ्तों में केस बढ़ने से यह समझ आया है कि हमें अलर्ट रहना है। हमारे पास कुछ महीने पहले जो लहर आई, उससे हमने बहुत कुछ सीखा। सभी ओमिक्रॉन से सफलता से निपटे, मुकाबला किया। दो साल के भीतर देश ने हेल्थ इंफ्रस्ट्रक्चर से लेकर ऑक्सीजन तक काम किया।

वैक्सीनेशन ने तीसरी लहर से बचाया

तीसरी लहर में हालात नहीं बिगड़े। इससे वैक्सीनेशन को मदद मिली। हर राज्य में वैक्सीन जन जन तक पहुंची। हर भारतीय के लिए गौरव की बात है आज कि 96प्रतिशत आबादी को पहली डोज, 15 साल से ऊपर 85 प्रतिशत को दूसरी डोज लग चुकी है। आप समझते हैं कि वैक्सीन ही सबसे बड़ा कवच है। देश में लंबे समय बाद स्कूल खुले हैं ऐसे में केस बढ़ने से चिंता बढ़ रही है। मार्च में हमने 12 से 14 के लिए, कल 6 से 12 के लिए कोवैक्सिन की परमीशन मिल गई है।

फ्री स्पीच पर एलन मस्क की सफाई

पहले कहा था- फ्री स्पीच की आजादी देंगे अब बोले- सब कानून के हिसाब से होगा

वाशिंगटन

ट्विटर के नए मालिक एलन मस्क इस प्लेटफॉर्म पर फ्री स्पीच का दावा कर रहे हैं। जिसके बाद कई लोग इसका विरोध कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि इससे ट्रोलर्स को खुले मंच पर गाली-गलौज व गलत सूचनाएं फैलाने का लाइसेंस मिल जाएगा। इसी बीच अब मस्क ने फ्री स्पीच का मतलब समझाया है। एलन मस्क ने क्लैरिफिकेशन ट्वीट में लिखा है- मैं उस सेंसरशिप के खिलाफ हूं जो कानून से अलग हो। फ्री स्पीच से मेरा मतलब है जो कानून के हिसाब से हो। अगर लोगों को कम फ्री स्पीच चाहिए तो उन्हें सरकार से इसको लेकर कानून बनाने की मांग करनी चाहिए। इसलिए कानून से परे जाना लोगों की इच्छा के विपरीत है। दरअसल, ह्यूमन राइट्स ग्रुप का कहना है कि बिना किसी गाइडलाइन के फ्री स्पीच की अनुमति देने से ट्विटर पर हेट स्पीच कंटेंट भर जाएगा। एक्सपर्ट्स का भी मानना है कि इससे फर्जी सूचनाओं का खतरा बढ़ जाएगा।

ट्विटर में फ्रीडम ऑफ स्पीच के हिमायती

एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी हैं। वे फ्रीडम ऑफ स्पीच के तरफदार हैं। ट्विटर को खरीदने की अपनी मंशा के पीछे भी उन्होंने यही वजह बताई थी कि इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फ्रीडम ऑफ स्पीच खतरे में है और वे सुनिश्चित करना चाहते हैं कि यह बनी रहे। मस्क ने ट्विटर के मालिक बनने के बाद एक ट्वीट में लिखा कि फ्री स्पीच लोकतंत्र का आधार है। ट्विटर डिजिटल टाउन है, जहां मानवता के भविष्य के लिए जरूरी मुद्दों पर बहस होती है। उन्होंने कहा- यहां सभी यूजर्स को अभिव्यक्ति की आजादी मिलेगी। उम्मीद है मेरे सबसे बुरे आलोचक भी प्लेटफॉर्म पर बने रहेंगे।

टेस्ला के फाउंडर ने 44 अरब डॉलर में खरीदा ट्विटर:- मस्क ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर को खरीदने के लिए 44 अरब डॉलर (3,368 अरब रुपए) की डील की। ट्विटर के हर शेयर के लिए 54.20 डॉलर (4,148 रुपए) चुकाए हैं। उनके पास पहले से ही ट्विटर में 9 फीसदी की हिस्सेदारी मौजूद थी। वे ट्विटर के सबसे बड़े शेयर होल्डर थे। ताजा डील के बाद उनके पास कंपनी की 100 फीसदी हिस्सेदारी हो गई है और ट्विटर उनकी प्राइवेट कंपनी बन गई है। एलन मस्क ने 4 अप्रैल को पहली बार ट्विटर में 9.2 फीसदी शेयर खरीदने की जानकारी दी थी। उन्होंने 15 अप्रैल को ट्विटर को पूरी तरह खरीदने का ऑफर दिया। उस वक्त ट्विटर के शेयर होल्डर्स में से एक सऊदी प्रिंस अल वलीद बिन तलाल एलन ने मस्क के ऑफर को ठुकरा दिया था, लेकिन पिछले 7 दिन से ट्विटर बोर्ड की लगातार बैठकें होती रहीं और आखिरकार बोर्ड ने मस्क के ऑफर को मंजूर कर लिया।

तमिलनाडु में मंदिर की रथयात्रा के दौरान हादसा : करंट से 2 बच्चों समेत 11 की मौत; घायलों से मिलने तंजावुर पहुंचेंगे सीएम स्टालिन

तंजावुर

तमिलनाडु के तंजावुर जिले में एक मंदिर की रथयात्रा के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बुधवार तड़के रथ के बिजली के तार की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में 2 बच्चे भी शामिल हैं। हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राज्य के सीएम एमके स्टालिन ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को 5 लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। वे आज दोपहर तंजावुर पहुंचेंगे, जहां वे हालात का जायजा लेंगे और घायलों से मिलेंगे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने घटना पर शोक व्यक्त किया है और घायलों के जल्द ही स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। वहीं, प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के परिजनों को पीएम नेशनल रिलीफ फंड से 2-2 लाख रुपए देने का ऐलान किया है। घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। हादसे पर दुख जताते हुए घटना पर तमिलनाडु विधानसभा में 2 मिनट का मौन रखा गया और मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। तंजावुर के कालीमेडु मंदिर में 94वां अप्पर गुरुपूजा उत्सव मनाया जा रहा है। इसमें शामिल होने के लिए मंगलवार रात से ही लोगों की भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। रथयात्रा एक मोड़ से गुजर रही थी, इस दौरान रथ पर खड़े लोग एक हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए।

इस बार पावर सप्लाई को बंद नहीं किया गया

तिरुचिरापल्ली के सेंट्रल जोन ड्डतक्क वी बालकृष्णन ने बताया कि स्नड्ढक्रदर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि किसी भी घटना से बचने के लिए आमतौर पर मंदिर के रास्ते वाली पावर सप्लाई बंद कर दी जाती है। इस बार रथ की ऊंचाई इतनी नहीं थी कि वह हाई वोल्टेज लाइन को छू सके, इसलिए इस बार पावर सप्लाई बंद नहीं की गई। हालांकि, रथ पर लगे साजो-सामान की वजह से उसकी ऊंचाई बढ़ गई।

ताजमहल में भगवा पर विवाद : जगद्गुरु परमहंसाचार्य बोले- भगवा के कारण अंदर जाने से रोका, अफसर ने माफी मांगी

आगरा। अयोध्या की तपस्वी छावनी के जगद्गुरु परमहंसाचार्य ने आगरा ताजमहल में उन्हें जाने से रोकने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि भगवा पहने होने की वजह से उन्हें रोका गया। हालांकि, अफसरों का दावा है कि जगद्गुरु को लोहे का ब्रह्मदंड अंदर ले जाने से मना किया गया था। विवाद बढ़ने पर अफसरों ने माफी भी मांग ली है। परमहंसाचार्च का कहना है कि वे ताजमहल में दबा शिवलिंग देखने पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

दूल्हे को डांस पड़ा महंगा

शादी में इतना नाचा कि नाराज हो गई दुल्हन, उसके दोस्त को पहना दी वरमाला

बुलढाणा। मंडप सजा था, डीजे बज रहा था, बारात लड़की के द्वार पर पहुंची और दूल्हा कार से उतरकर दोस्तों के साथ डांस करने लगा। डीजे की धुन पर उसका डिस्को-डांस इतना लंबा चला कि लड़की का पिता नाराज हो गया और शादी में पहुंचे एक अन्य लड़के को बुलाकर उसे अपनी बेटी सौंप दी। यह कहानी सुनने में फिल्मी नजर आ रही है, लेकिन इसमें सच्चाई है। घटना महाराष्ट्र में बुलढाणा जिले के मलकापुर पंगरा गांव में 24 अप्रैल को हुई। लड़की के पिता का आरोप है कि दूल्हा शराब के नशे में धुत था, इसलिए उसने अपनी बेटी की शादी किसी और से कर दी। लड़के के पिता का यह भी कहना है कि बारात मुहूर्त निकलने के बाद शाम 4:00 बजे द्वार पर पहुंची और दूल्हा रात 8 बजे तक डांस करता रहा। देर से आने का कारण पूछा गया तो बाराती मारपीट पर उतर आए। इसके बाद लड़की वालों ने दूल्हे समेत लड़के वालों की जमकर पिटाई की और फिर उन्हें बिना खाना खिलाए भगा दिया। लड़के के पिता ने बताया कि द्वार पर बारात आ चुकी थी और अगर शादी नहीं होती तो बड़ी बदनामी होती। ऐसे में मामला पंचायत के पास पहुंचा। इसमें तय हुआ कि इसी मंडप में लड़की की शादी होगी, लेकिन किसी और से। इसके बाद तलाश शुरू हुई और बारात में शामिल एक लड़का, लड़की के पिता को भा गया। पिता ने अपनी झोली फैलाई और कुछ ही देर में लड़का भी शादी करने को तैयार हो गया। खास यह है लड़का और लड़की अच्छे दोस्त भी हैं।

दूसरे शख्स से शादी कर खुश है दुल्हन:- दूसरे वर को पाकर दुल्हन प्रियंका बहुत खुश है। उसने कहा, %गनीमत है जो पहले ही पता चल गया कि दूल्हा शराबी है। वह नाच रहा था और मैं वरमाला लेकर घंटों खड़ी रही। बारात में उसकी हरकत से हमारा पूरा परिवार आहत था।

अलवर मंदिर विवाद :300 साल पुराना मंदिर तोड़ा गया

साधु-संतों और भाजपा नेताओं ने आक्रोश रैली निकाली

अलवर

22 अप्रैल को अलवर में 300 साल पुराने मंदिर पर बुलडोजर चलाए जाने के 5 दिन बाद हिंदू संगठनों और साधु-संतों ने बुधवार को आक्रोश रैली निकाली। आक्रोश रैली की अगुवाई कर रहे अलवर सांसद बालक नाथ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि हम राजस्थान सरकार को तुष्टीकरण की राजनीति करने से रोकने के लिए यह मार्च निकाल रहे हैं। जिन अधिकारियों ने मंदिर तोड़ा है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाए और दोबारा मंदिर बनाया जाए। फिलहाल साधु-संतों और कलेक्टर शिवप्रसाद नकाते के बीच बातचीत का दौर चल रहा है। इसमें समाज के कई साधु, संत भी मौजूद हैं। वे अधिकारियों पर कार्रवाई को लेकर अड़े हुए हैं। अलवर के राजगढ़ में प्रशासन की अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान 300 साल पुराना मंदिर तोड़ दिया था, इसके बाद से ही भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर है और मुद्दे को भुनाने की कोशिश कर रही है।

ंपनी बाग में एकत्रित हुए भाजपा कार्यकर्ता, साधु-संत:- साधु-संतों के विरोध की शुरुआत कंपनी बाग के शहीद स्मारक से हुई। साधु-संतों के साथ-साथ बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता भी रैली में पहुंच गए। इसके बाद अलवर पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड पर है। आक्रोश रैली में हिस्सा लेने दिल्ली, पंजाब, हरियाणा व उत्तर प्रदेश समेत राजस्थान के विभिन्न जिलों से साधु संतों की टोलियां अलवर पहुंची।

जंग में मिटा दीं दोस्ती की निशानियां, यूक्रेनी नागरिकों ने ढहाया सोवियत स्मारक

कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध को दो महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है। इन दो महीनों ने दोनों देशों के बीच इतनी ज्यादा दूरियां पैदा कर दी हैं कि यूक्रेनी नागरिक अब रूस से जुड़ी ऐतिहासिक चीजों को भी अपने साथ नहीं रखना चाहते हैं। इस वजह से राजधानी कीव में मौजूद रूस और यूक्रेन की दोस्ती के प्रतीक सोवियत स्मारक को तोड़ दिया गया। रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला किया था, जिसके बाद कई यूक्रेनी शहर खंडहर में तब्दील हो चुके हैं। भले ही आज ये दोनों देश सबसे बड़े दुश्मन नजर आ रहे हों, लेकिन एक वक्त ऐसा था, जब इन्होंने मिलकर 45 साल अमेरिकी डिप्लोमैसी का सामना किया था। सेकेंड वर्ल्ड वॉर खत्म होने के बाद 1947 में दुनिया पूंजीवादी और साम्यवादी दो हिस्सों में बंट गई। जहां पूंजीवाद की अगुआई अमेरिका कर रहा था, वहीं साम्यवाद की कमान सोवियत यूनियन के हाथ में थी। इसी के साथ दोनों गुटों में एक तरह का अघोषित युद्ध शुरू हो गया, जिसे कोल्ड वॉर के नाम से जाना गया। इस कोल्ड वॉर में अमेरिका के मुख्य सहयोगियों में फ्रांस, ब्रिटेन और पश्चिमी जर्मनी थी। जबकि, सोवियत यूनियन में रूस, यूक्रेन, हंगरी और पूर्वी जर्मनी प्रमुख थे। 45 साल चले इस कोल्ड वॉर में रूस और यूक्रेन ने राजनीतिक, सैन्य और सांस्कृतिक तौर पर कई महत्वपूर्ण साझेदारी की।

चीन में कोरोना : घरों में कैद शंघाई के 2.5 करोड़ लोगों के पास खाना-पानी नहीं

बीजिंग में 2 करोड़ का होगा टेस्ट

शंघाई

चीन का आर्थिक राजधानी शंघाई देश की कोरोना राजधानी भी बनती जा रही है। मंगलवार को चीन में 1,908 कोविड पॉजिटिव सामने आए, जिनमें 1,661 अकेले शंघाई से हैं। शंघाई में 52 लोगों की कोरोना से मौत की खबर सामने आई है। तेजी से बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने राजधानी बीजिंग में 2 करोड़ लोगों की कोरोना जांच का आदेश दिया है। कोरोना के बढ़ते मामलों ने चीन की अर्थव्यस्था को भी बेहाल कर दिया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष चीन की जीरो कोविड पॉलिसी का हवाला देकर देश के डेवलपमेंट ग्रोथ 4.8 फीसदी से घटाकर 4.4 फीसदी कर दिया है। जो चीन के 5.5 फीसदी अनुमान से काफी कम है।

चीन की अर्थव्यवस्था से टकरा रही एक बड़ी दीवार:- एक्सपर्ट्स का कहना है कि चीन की अर्थव्यवस्था एक बड़ी दीवार से टकरा रही है। एक साल से ज्यादा वक्त के बाद पहली देश की खपत में गिरावट आई है। जबकि, 31 शहरों में बेरोजगारी रिकॉर्ड पर पहुंच गई है। एक्सपर्ट्स इस तिमाही में मंदी का अनुमान लगा रहे हैं।

कोरोना के साथ लॉकडाउन की दोहरी मार:- सबसे ज्यादा बुरे हाल शंघाई के हैं। वहां लोगों को कोरोना के साथ लॉकडाउन की तकलीफ का भी सामना करना पड़ रहा है। शंघाई में रहने वाले 30 साल के एडम का कहना है कि लाखों परेशान लोगों के बीच मैं भी दाने-दाने के लिए परेशान हूं। आज 26 दिन हो गए और बिल्डिंग के आठवें फ्लोर पर एक कमरे बंद हूं। कचरा फेंकने तक के लिए बाहर नहीं जा सकता।

शंघाई के घरों में 2.5 करोड़ लोग बंद

शंघाई के 2.5 करोड़ लोग घरों में इसी तरह बंद हैं। कोरोना के कारण लॉकडाउन में यह उस चीन की हकीकत है, जो पिछले एक साल से एक तरफ कोविड से एक भी मौत नहीं बता रहा था और दूसरी तरफ उसके शहरों में लॉकडाउन की हालत थी।

न्यूज ब्रीफ

चर्चिल ब्रदर्स ने राजस्थान यूनाइटेड को 2-1 से हराकर लगातार 5वीं जीत दर्ज की

नैहाटी (पश्चिम बंगाल)। चर्चिल ब्रदर्स ने आई-लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के दूसरे चरण के मैच में मंगलवार को यहां राजस्थान यूनाइटेड को 2-1 से हराकर लगातार पांचवें मैच में जीत दर्ज की। मैच के आखिरी समय में चर्चिल की टीम 10 खिलाडियों के साथ खेल रही थी लेकिन उसने राजस्थान को बराबरी करने का मौका नहीं दिया और पूरे तीन अंक हासिल किए। कॉमरन टुरसुनोव ने मैच के 23वें मिनट में चर्चिल के लिए खाता खोला जबकि मध्यांतर के ठीक पहले तारीफ अखंड के आत्मघाती गोल से टीम की बढ़त दोगुनी हो गई। निंगथौजम प्रीतम सिंह ने 68वें मिनट में राजस्थान के लिए गोल कर स्कोर को 1-2 कर दिया। राजस्थान की टीम ने इसके बाद कई मौके बनाए लेकिन उसके खिलाड़ी खराब फिनिशिंग के कारण उसे गोल में नहीं बदल सके। चर्चिल के क्वान गोम्स को स्टॉपेज समय (90+3 मिनट) में लाल कार्ड मिलने के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। राजस्थान की टीम इसके बाद सात मिनट के खेल में इसका फायदा नहीं उठा सकी।

अश्विन तेजी से रन बना रहे थे, सिराज से बोले विराट- बाउंसर मार; अगली बॉल पर आउट

मुंबई। मंगलवार को बेंगलुरु और राजस्थान के बीच खेले गए मैच में एक बार फिर विराट कोहली का बल्ला नहीं चला, लेकिन मैच में उनकी एनर्जी कमाल की रही। राजस्थान की पारी के दौरान नंबर-3 पर आर अश्विन बल्लेबाजी करने आए थे। वो तेजी से रन बना रहे थे। चौथे ओवर में अश्विन ने सिराज को लगातार दो गेंदों पर 2 चौके लगाए। इसके बाद उन्होंने अगली गेंद चौथे स्टंप पर धीमी गति से डाली। ओवर की आखिरी गेंद पर विराट कोहली ने सिराज से कहा- भाई इसे बाउंसर मार, ये आउट होगा। सिराज ने विराट की बात मानी और आखिरी गेंद पर अश्विन को ऑफ स्टंप के बाहर शानदार बाउंसर बॉल डाली। पटकी हुई गेंद पर अश्विन पुल करना चाहते थे। गेंद ने बल्ले का ऊपरी भाग लिया और सिराज ने अपनी ही गेंद पर एक शानदार कैच लपक लिया। जब अश्विन वापस पवेलियन जा रहे थे तो कॉमेंट्री कर रहे हरभजन सिंह ने भी कोहली के इस फैसले को लेकर उनकी खूब तारीफ की। मैच में कोहली ने बोल्ट का शानदार कैच भी पकड़ा। आईपीएल 2022 में राजस्थान के खिलाफ विराट कोहली को ओपनिंग करने का मौका मिला, लेकिन एक बार फिर से वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। आईपीएल के पूर्व कप्तान को प्रसिद्ध कृष्णा ने आउट किया और उनका कैच बैकवर्ड पॉइंट पर रियान पराग ने पकड़ा।

आईपीएल 15 : विराट और रोहित के लिए यह सीजन बुरे सपने की तरह, तेज गेंदबाजों के सामने नहीं बने रन

नई दिल्ली

रोहित शर्मा और विराट कोहली को आईपीएल के सबसे बड़े हिटर्स में शुमार किया जाता है। उन्होंने कई मुकाबले अकेले फिनिश किए हैं। रोहित ने टूर्नामेंट में 5,764 रन बनाए हैं, जबकि विराट के नाम 6,411 रन हैं। पर इस बार उनके बल्ले बिल्कुल नहीं बोल रहे। तेज गेंदबाजों के सामने दोनों ही दिग्गजों का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। आइए, देखते हैं कि 8 पारियों में दोनों ही खिलाड़ियों ने अपने विकेट कैसे गंवाए हैं? 8 पारियों में कैसे आउट हुए रोहित?

रोहित पेस बॉलर्स के सामने बेबस नजर आए हैं। मुंबई को 5 बार चैंपियन बना चुके रोहित शर्मा को 8 में से 7 बार पेसर्स ने आउट किया है। शॉर्ट बॉल के सामने वह असहज दिखे हैं। ढ्ढक्र इतिहास में सबसे ज्यादा 14 बार 0 पर आउट होने का रिकॉर्ड भी रोहित ने इसी सीजन

अपने नाम किया है। किसी जमाने में जिस शॉर्ट बॉल पर हिटमैन काफी रन बनाते थे, वह उनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन गए हैं।

1) दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ कुलदीप यादव की लेंथ बॉल पर रोहित पुल शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे। गेंद बल्ले के बीच में नहीं लगने के कारण बाउंड्री क्लियर नहीं हो सकी। कैरेबियाई फील्डर रॉवमैन पॉवेल ने डीप मिडविकेट पर आसान सा कैच पकड़ लिया।

2) राजस्थान रॉयल्स के प्रसिद्ध कृष्णा ने शॉर्ट एंड वाइड गेंद फेंकी। रोहित ने हिट किया, लेकिन गेंद पॉइंट पर सीधे फील्डर रेयान पराग के हाथों में गेंद चली गई। दरअसल ढ्ढक्र के कप्तान यह एक ट्रैप था, जिसमें रोहित फंस गए। फील्डर को विशेष तौर पर उसी शॉट के लिए रखा गया था, रोहित ऐन वक्त पर अपने शॉट को चेक नहीं कर सके।

3) कोलकाता नाइट राइडर्स के उमेश की शॉर्ट गेंद पर रोहित पुल शॉट खेलने की कोशिश कर रहे थे। टॉप एज लगा। सैम बिलिंग्स फाइन लेग की ओर भागे और कैच लिया। ढ्ढक्र में पांचवीं बार उमेश की गेंद पर रोहित आउट हुए। उमेश यादव के खिलाफ ढ्ढक्र के 14 मुकाबलों में रोहित शर्मा सिर्फ 143 रन बना सके हैं।

4) रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के हर्षल पटेल ने रोहित को धीमी ऑफ कटर फेंकी। रोहित ने लेग साइड पर खेलने की कोशिश की, गेंद बल्ले के किनारे पर लगी और सीधे गेंदबाज के हाथों में चली गई।

5) दिल्ली कैपिटल्स के रबाडा ने हिटमैन को शॉर्ट गेंद फेंकी। रोहित को हाथ खोलने के लिए कोई रूम नहीं मिला। फिर भी रोहित शर्मा ने गेंद पुल करने की कोशिश की। परिणाम हुआ कि टॉप एज लगा और वैभव अरोड़ा ने शार्ट फाइन लेग पर आसान सा कैच लपक लिया।

पंत मामले के बाद जयवर्दना ने की नियमों में बदलाव की मांग

मुंबई

मुंबई इंडियंस के कोच और आईसीसी हाल ऑफ़ फ़ेम महेला जयवर्दना का मानना है कि तक़नीक का बेहतर उपयोग करने के लिए वीडियो अंपायर और मैदानी अंपायरों के बीच अधिक से अधिक सूचनाओं का संचार होना चाहिए और इसके लिए अगर नियमों में कोई बदलाव होना हो, तो वह उसके भी पक्षधर हैं। जयवर्दना ने यह बयान पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए आईपीएल मैच में हुए %नो बॉल विवाद% के संबंध में दिया है, जब मैदानी अंपायर ने दूसरी पारी के अंतिम ओवर में कमर के क़रीब आई फ़ुलटॉस को नो बॉल नहीं दिया था। दिल्ली कैपिटल्स कैंप इसके बाद भड़क गया था। कप्तान ?ऋषभ पंत ने बेंच से अपनी अप्रसन्नता जाहिर की और सहायक कोच प्रवीण आमरे तो अंपायरों से निर्णय पर बात करने के लिए मैदान तक पहुंच गए, लेकिन अंत में मैदानी अंपायरों ने अपना फ़ैसला बरकरार रखा और वे रिव्यू के लिए वीडियो अंपायर के पास नहीं गए। मैच के बाद पंत और आमरे दोनों पर मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगा, वहीं आमरे पर एक मैच का प्रतिबंध

भी लगाया गया। जयवर्दना ने इस पूरे घटनाक्रम को दुर्भाग्यपूर्ण कहा है।

आईसीसी की खेलने की परिस्थितियों के नियम 21.5 के मुताबिक, तीसरा अंपायर गेंदबाज़ की फ़्रंटफुट लैंडिंग को टेलीजिवन रिप्ले में रिव्यू कर सकता है और अगर वह असंतुष्ट है तो वह तुरंत गेंदबाज़ी एंड के अंपायर को नो बॉल का इशारा करने को कहते हैं। हालांकि, इस नियम में तीसरे अंपायर द्वारा कमर से ऊपर की फ़ुलटॉस के बारे में रिव्यू को लेकर कुछ नहीं कहा गया है। जयवर्दना ने मांग की है कि आईपीएल की इस घटना को एक वेक-अप कॉल के तौर पर लेना चाहिए, जिससे भविष्य में वीडियो अंपायरों का अच्छे से इस्तेमाल हो सके। जयवर्दना ने आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में संजना गणेशन से कहा, यह आगे भी हो सकता है और हमें इस पर ध्यान देने की ज़रूरत है। क्या कोई ऐसा विकल्प है कि तीसरा अंपायर इन चीज़ों को देखे और मैदानी अंपायर को सूचित करे कि इस गेंद को चेक किया जाना चाहिए? यह देखकर दुख हो रहा था कि जब आप खेल रोक देते हो और लोग मैदान पर आ जाते हैं। लेकिन दिल से कहूं तो ये सिर्फ़ भावनाएं थीं जो अंतिम ओवर में पनप रही थीं। कुछ छक्के लग चुके थे और मैच रोमांचक हो गया था। उन्होंने कहा कि निर्णय पर विवाद करने के लिए आमरे का मैदान में उतरना खेल के लिए अच्छा नहीं था। जयवर्दना ने आगे कहा, हालांकि नियम कहते हैं कि आप इन चीज़ों को चेक करने के लिए तीसरे अंपायर तक नहीं जा सकते हैं। किसी खिलाड़ी या कोच के लिए मैदान पर आने का विकल्प नहीं होता। हम कोचों के पास आईपीएल में टाइम आउट के दौरान मैदान पर आने का मौक़ा होता है और यही वह समय होना चाहिए जब कोच या कोई और मैदान पर आए। जयवर्दना ने कहा कि उन्होंने अपनी मुंबई इंडियंस टीम के साथ इस घटना पर चर्चा की और उन्हें एक मैच के दौरान अपने दायित्वों के बारे में याद दिलाया। उन्होंने कहा, हमने यह सब टेलीविजन पर देखा। ज़्यादातर खिलाड़ी एक साथ मैच देख रहे थे और मैच के बाद हमने इस पर चर्चा की। हम भी हो सकता है कि डगआउट में इसी तरह से बर्ताव करते लेकिन मैदान पर जाना कोई विकल्प नहीं है। इस तरह से चीज़े नहीं होनी चाहिए और मुझे पूरी उम्मीद है कि पंत और आमरे को भी पछतावा होगा। मुझे लगता है पंत ने जो भी कहा वह भावनाओं में कहा और अब आगे बढ़ जाना चाहिए।

हम 36-37 ओवर अच्छा खेल दिखाते हैं लेकिन दो-तीन ओवरों में ढिलाई बरत देते हैं : पोंटिंग

मुंबई

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग का मानना है कि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपना अभियान फिर से पटरी पर लाने के लिए थोड़ी लय की जरूरत है क्योंकि उनकी टीम इतनी अच्छी है कि नतीजे उसके अनुकूल आएंगे। दिल्ली की टीम इस सत्र के पहले सात मैचों में तीन जीत और चार हार के बाद अभी अंक तालिका में सातवें स्थान पर है। पोंटिंग ने सत्र के पहले चरण के बारे में कहा, 'मैंने इस साल पहले भी ऐसा कहा था कि 36 या 37 ओवर हम अच्छा खेल दिखाते हैं लेकिन केवल दो या तीन ओवरों में ढिलाई बरत देते हैं।' उन्होंने कहा, 'यही समस्या मैच में अंतर पैदा कर रही है। हम न केवल सत्र के पहले चरण के परिणामों को बदलने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं बल्कि आगे बढ़ने के राह बनाने की कोशिश में भी लगे हैं। हमारा सफर अब तक कभी जीत, कभी हार और फिर जीत रहा है। लिहाजा, हमें थोड़ी सी लय हासिल करने की जरूरत है।' पोंटिंग ने कहा कि खिलाड़ियों को दूसरे चरण में सहज होकर खेलना होगा क्योंकि उनकी टीम अच्छी है और वह अनुकूल परिणाम हासिल कर सकती है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि हम चीजों का रुख मोड़ने के बहुत करीब हैं। हम सभी को भरोसा करना है, हमें विश्वास करना है, हमें उत्साहित रहना है और सकारात्मक बने रहना है। अगर हम ऐसा करने में कामयाब रहे, तो निश्चित रूप से हमारे लिये चीजें बदल जाएंगी।' पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ गुरुवार को होने वाले मैच से पहले कहा, 'हम यहां से जितने कड़े प्रयास करेंगे, उतना ही आगे बढ़ेंगे। हमें सहज होकर आगे बढ़ना है। हम जो कुछ अच्छा कर रहे हैं यदि उन्हें दोहराते रहे तो हमें सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। अनुकूल परिणाम हासिल करने के लिये हमारी टीम बहुत अच्छी है।' अपने परिवार के एक सदस्य के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद पोंटिंग एहतियात के तौर पर पांच दिन के अनिवार्य पृथकवास पर चले गए थे।

ओपनिंग पर खेल को बेहतर तरीके से नियंत्रित करते हैं कोहली : निखिल चोपड़ा

बैंगलोर

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली इंडियन प्रीमियर लीग के इतिहास में सबसे अधिक रन (6400 से अधिक रन) बनाने वाले खिलाड़ी हैं। हालांकि वह मौजूदा सत्र में पर्याप्त योगदान देने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और 8 पारियों में केवल 119 रन ही बना पाए हैं। राजस्थान रॉयल (आरआर) के खिलाफ आरसीबी की स्थिरता से पहले विशेषज्ञ निखिल चोपड़ा और दीप दासगुप्ता ने विराट कोहली पर टीम के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने पर अपने विचार साझा किए। चोपड़ा ने कहा कि वह हमेशा चाहते हैं कि कोहली ओपनिंग करें और उन्हें 120 गेंद खेलने का मौका मिले। उन्हें लगता है कि आरसीबी के पूर्व कप्तान ओपनिंग स्लॉट पर बल्लेबाजी करते हुए खेल को बेहतर तरीके से नियंत्रित कर सकते हैं। चोपड़ा ने कहा कि युवा अनुज रावत की विफलता के कारण टीम की मांग निश्चित रूप से कोहली को फाफ डु प्लेसिस के कप्तान के साथ ओपनिंग के लिए बुला रही है। निखिल चोपड़ा ने कहा कि मैं हमेशा एक बड़ा वकील रहा हूं, इस तथ्य के कारण कि वह इतना अच्छा बल्लेबाज है कि उसे शुरुआती स्थिति में बल्लेबाजी करनी चाहिए। आप 120 गेंदें खेलने का मौका देते हैं और अपनी शुरुआत को बड़ी गेंद में बदलने का मौका देते हैं। पावरप्ले के ओवरों में केवल दो क्षेत्ररक्षकों के साथ, निश्चित रूप से औसत और स्ट्राइक रेट बेहतर हो जाता है। मैं हमेशा से चाहता हूं कि वह ओपन करे क्योंकि वह खेल को बेहतर तरीके से नियंत्रित करता है। दासगुप्ता का मानना ??है कि कोहली की आरसीबी टीम के लिए ओपनिंग टीम के लिए भी अनुकूल होगी। उन्होंने कहा यह बदलाव विराट के लिए भी अच्छा होगा, क्योंकि उसने टीम के लिए पर्याप्त रन नहीं बनाए हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में साइना जीती, लक्ष्य बाहर

मनीला (फिलिपीन्स)

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने बुधवार को यहां बैडमिंटन एशियाई चैंपयिनशिप में अपना पहला दौर का मैच जीता लेकिन लक्ष्य सेन और बी साई प्रणीत हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गए। चोट के बाद वापसी कर रही साइना ने दक्षिण कोरिया की सिम यूजिन को 21-15 17-21 21-13 से शिकस्त दी। विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता लक्ष्य हालांकि चीन के गैरवरीय ली शी फेंग के खिलाफ उलटफेर का शिकार हो गए। पांचवें वरीय भारतीय खिलाड़ी को पुरुष एकल के 56 मिनट तक चले मुकाबले में फेंग के खिलाफ 21-12 10-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

दुनिया के 19वें नंबर के खिलाड़ी प्रणीत को भी पहले दौर में इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ सीधे गेम में 17-21 13-

21 से हार झेलनी पड़ी। आकर्षि कश्यप भी महिला एकल में जापान की शीर्ष वरीय अकाने यामागुची के खिलाफ 15-21 9-21 की हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। अश्विनी भट के और शिखा गौतम तथा सिमरन सिंघी और रितिका ठाकर की महिला युगल जोड़ी भी सीधे गेम में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। अश्विनी और शिखा को अना चिंग यिक चियोंग और तियोह मेइ शिंग की मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ 19-21 12-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि सिमरन और रितिका को पियरी टेन और मुरलीथरन थिन्नाह की मलेशिया की सातवीं वरीय जोड़ी के खिलाफ 15-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। आज पीवी सिंधू, मालविका बंसोड़ और किदांबी श्रीकांत भी एकल मुकाबलों में उतरेंगे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

कार लोन के लिए मारुति सुजुकी ने इंडियन बैंक से हाथ मिलाया

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने ग्राहकों को आसानी से कार लोन मुहैया कराने के लिए इंडियन बैंक से हाथ मिलाया है। कंपनी ने बुधवार को कहा कि इस साझेदारी के तहत उसके ग्राहक महानगर, शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इंडियन बैंक की 5,700 से अधिक शाखाओं से कर्ज ले सकते हैं। इस विशेष योजना के तहत मारुति सुजुकी के ग्राहक कार की ऑन-रोड कीमत का 90 प्रतिशत तक कर्ज हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा योजना के तहत शून्य प्रसंस्करण शुल्क, 30 लाख रुपये तक का मुफ्त दुर्घटना बीमा कवर, मुफ्त फास्टैग और 84 महीने तक की पुनर्भुगतान अवधि का लाभ मिल सकता है। योजना 30 जून 2022 तक खुली है।

आईआईटी के पूर्व छात्र अपने संस्थान पर खुले हाथ से लुटा रहे पैसे

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर को पिछले दिनों एक व्यक्ति की तरफ से 100 करोड़ रुपये मिले जो अब तक का सबसे अधिक रकम वाला अनुदान है। इसे आईआईटी कानपुर के पूर्व छात्र और इंडिगो एयरलाइंस के सह संस्थापक राकेश गंगवाल ने दिया। हाल के वर्षों में कोविड-19 महामारी के बावजूद इस तरह के योगदान में काफी वृद्धि देखी गई है। आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्र और कॉरपोरेट रिलेशन के डीन महेश पंचागनुला के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में इस प्रमुख संस्थान ने अकेले शिक्षा में इस तरह की दान श्रेणी से 135 करोड़ रुपये से अधिक जुटाए हैं। कोविड महामारी के बावजूद आईआईटी मद्रास को मिली दान श्रेणी वाली फंडिंग में एक रुझान दिख रहा है जिसमें पिछले पांच सालों में साल-दर-साल औसतन लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आईआईटी मद्रास में सालाना अनुदान और अपनी इच्छा से किए जाने वाला दान वर्ष 2016-17 के 55 करोड़ रुपये से बढ़कर 2020-21 में 101.49 करोड़ रुपये हो गया जो इसकी सालाना रिपोर्ट के आधार पर आईआईटी में यह सबसे अधिक है। इस बीच आईआईटी बंबई के अनुदान में भी बढ़ोतरी दिखी और यह 2017-18 के 17.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 2020-21 में 77 करोड़ रुपये हो गई। आईआईटी कानपुर ने स्वैच्छिक स्तर पर किए जाने वाले दान के मोर्चे पर अच्छी तेजी दर्ज की और यह 2016-17 के 7.62 करोड़ रुपये से बढ़कर 2020-21 में 84.39 करोड़ रुपये तक हो गई। आईआईटी कानपुर में यह तेजी अधिक है क्योंकि गंगवाल ने स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज ऐंड टेक्नॉलॉजी के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया है जिसे संस्थान अपने परिसर में ही तैयार कर रहा है। आईआईटी कानपुर के निदेशक अभय करंदीकर के अनुसार, गंगवाल का योगदान एक शैक्षणिक संस्थान में किसी व्यक्ति द्वारा दिए गए सबसे अधिक दान में से एक था। पूर्व छात्रों के मजबूत नेटवर्क और बेहतरीन अनुसंधान कार्यों को देखते हुए, वैश्विक रैंकिंग में भी उनके प्रतिनिधित्व में क्रमिक वृद्धि हुई है और आईआईटी को कई सालों से व्यक्तियों से निजी तौर पर और कॉरपोरेट संस्थाओं से समान रूप से इतने बड़े दान मिले हैं। उदाहरण के तौर पर 2014 में आईआईटी बंबई को अपने इतिहास में सबसे बड़ा दान मिला, उच्च तकनीक उत्पाद और समाधान तैयार करने के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए टाटा समूह से 95 करोड़ रुपये तक का अंशदान मिला।

क्षमता बढ़ाने पर होगा निवेश

मुंबई

भारतीय कंपनियां वित्त वर्ष 2023 में नई क्षमता के सृजन पर निवेश बढ़ाने की योजना बना रही हैं क्योंकि महामारी एवं लॉकडाउन के कारण दो साल की मंदी के बाद उपभोक्ता मांग में बढ़त के संकेत नजर आ रहे हैं। इस महीने किए गए मुख्य कार्याधिकारियों के सर्वेक्षण से इसका पता चलता है। इस समाचार-पत्र ने 19 सीईओ का सर्वेक्षण किया, जिनमें आधे से ज्यादा ने कहा कि वे चालू वित्त वर्ष में अपना निवेश पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 25 फीसदी से अधिक बढ़ाने की योजना बना रह हैं। केवल 10.5 फीसदी ने यह कहा कि वे वित्त वर्ष 2022 की तुलना में निवेश घटाएंगे। इस महीने की शुरुआत में भारतीय रिजर्व बैंक ने अनुमान जताया था कि कारोबारी आत्मविश्वास सुधरने, बैंक ऋणों में बढ़ोतरी और सड़कों एवं राजमार्गों में सरकार के पूंजीगत व्यय जारी रहने से

निवेश की रफ्तार तेज होने के आसार हैं। विनिर्माण क्षेत्र में क्षमता उपयोग वित्त वर्ष 2022 की दिसंबर तिमाही में सुधरकर 72.4 फीसदी पर पहुंच गया, जो इससे पिछली तिमाही में 68.3 फीसदी था। इस तरह मार्च 2020 में समाप्त तिमाही में क्षमता उपयोग महामारी से पहले के 69.9 फीसदी के स्तर को भी पार कर गया है। आम तौर पर भारतीय कंपनियां नई परियोजनाओं के लिए योजना उस समय बनाना शुरू करती हैं, जब स्थापित क्षमता का उपयोग 75 फीसदी को पार कर जाता है। रिलायंस, टाटा समूह, जेएसडब्ल्यू और अदाणी समूह उन शीर्ष कंपनियों में शामिल हैं, जो पहले ही नवीकरणीय ऊर्जा, इस्पात संयंत्रों और सेमीकंडक्टर कारोबार में अरबों डॉलर के निवेश की घोषणा कर चुकी हैं। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं से भी कंपनियों को नई क्षमता के सृजन पर निवेश करने को प्रोत्साहन मिला है। एक विनिर्माण कंपनी के सीईओ ने नाम प्रकाशित नहीं करने का आग्रह करते हुए कहा, %मांग निश्चित रूप से बढ़ी है। इससे आपूर्ति से संबंधित अवरोध सामने आए हैं क्योंकि बहुत से लघु एवं मझोले उद्योग बंद हो चुके हैं और बड़े उद्योगों को कार्मिकों की उपलब्धता में दिक्कतें आ रही हैं।% टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी और भारतीय उद्योग परिसंघ के एमडी और अध्यक्ष टीवी नरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि सीआईआई के करीब 70 फीसदी सदस्यों ने इस साल पूंजीगत व्यय पर ज्यादा खर्च की योजना बनाई है। वैश्विक स्तर पर जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण कच्चे माल की बढ़ती लागत सीईओ की मुख्य चिंता थी। सर्वेक्षण में शामिल 36.8 फीसदी सीईओ ने कहा कि उनकी आमदनी पर कोई असर नहीं होगा जबकि 26.3 फीसदी सीईओ ने कहा कि उनकी लागत पर 1 से 1.25 फीसदी असर पड़ेगा।

एलआईसी आईपीओ एलआईसी की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू

एंकर निवेशकों के लिए 2 वहीं रिटेन निवेशकों के 4 मई को खुलेगा आईपीओ

नई दिल्ली

एलआईसी के आईपीओ आने वाला है इससे पहले एलआईसी ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसके बारे में जरूरी जानकारियां दीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि एंकर निवेशकों के लिए आईपीओ 2 मई को और रिटेल निवेशकों के लिए 4 मई से 9 मई तक खुलेगा। आमतौर पर एंकर बुक किसी इश्यू का सब्सक्रिप्शन खुलने से एक दिन पहले लॉन्च होता है। लेकिन एलआईसी के लिए एंकर बुक दो दिन2 मई और 3 मई खुलेगा। इसी तरह कंपनी का इश्यू भी तीन दिन के लिए नहीं बल्कि 4 दिन के लिए खुला है। कंपनी का इश्यू 4 मई को खुल रहा है और 9 मई को बंद हो रहा है। इसमें दो दिन शनिवार-रविवार है।

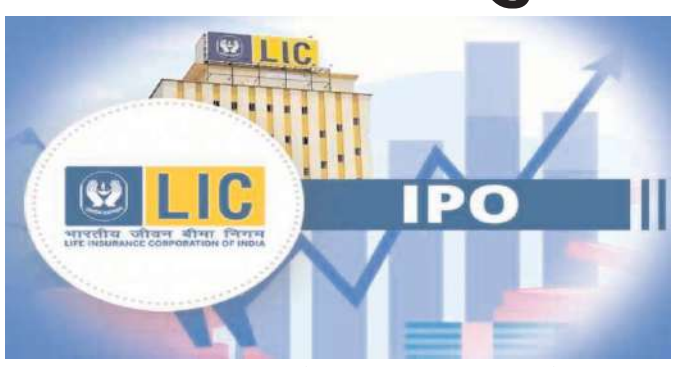

साइज छोटा होने के बाद भी बनेगा इतिहास

प्रेस कांफ्रेंस में DIPAM सचिव तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि एलआईसी अभी तक इन्वेस्टर रही है, लेकिन अब लोगों को इन्वेस्ट करने का मौका देने जा रही है। इस दिन का इंतजार हम लंबे समय से कर रहे थे। सरकार एलआईसी के आईपीओ के लिए प्रतिबद्ध है। एलआईसी को लिस्ट कराने का लक्ष्य लॉन्ग टर्म में एलआईसी के शेयर होल्डर्स के लिए वैल्यूएशन क्रिएट करना है। ये एलआईसी आईपीओ का राइट साइज है, खासकर बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए। अपने छोटे साइज (करीब 21000 करोड़ रुपए) के बावजूद ये भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा।

पॉलिसी धारकों को मिलेगा डिस्काउंट

एलआईसी ने अपने 21,000 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग के लिए 902-949 रुपए प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार आईपीओ में पॉलिसीधारकों को 60 रुपए की छूट मिलेगी और रिटेल निवेशकों और कर्मचारियों की छूट 45 रुपए होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईपीओ 2 मई को एंकर इन्वेस्टर्स के लिए और बाकी लोगों के लिए 4 से 9 मई तक खुलेगा। इश्यू का 10 पौंसदी (2.21 करोड़ शेयर) पॉलिसीधारकों के लिए और 0.15 करोड़ शेयर पात्र कर्मचारियों के लिए रिजर्व रखा गया है। सरकार एलआईसी में 3.5 पौंसदी हिस्सेदारी (22 करोड़ शेयर) बेचकर करीब 21,000 करोड़ रुपए जुटाना चाहती है।

आईपीओ के बाद सामने आएगा एलआईसी 3.0

एलआईसी के चेयरमैन एमआर कुमार ने कहा कि एलआईसी ने जब देश में बीमा बेचना शुरू किया, वो एलआईसी 1.0 था। जब देश में बीमा मार्केट ओपन हुआ, एलआईसी ने खुद को बदला, टेक्नोलॉजी को बदला और कॉम्पटिशन को स्वीकार किया, वो एलआईसी 2.0 था। अब एलआईसी आने के बाद ये एलआईसी 3.0 होगा।

प्रेस कॉन्फ्रेंस से जुड़ी खास बातें

- सेबी से 5 पौंसदी से घटाकर 3.5 पौंसदी हिस्सा बेचने की छुट मिली है।
- फरवरी और मार्च में कंपनी ने मार्केट शेयर गेन किया।
- 2 सीआर पॉलिसी होल्डर ने पेन को पॉलिसी से लिंक करवाया है।
- एंकर कोटा 2 मई को खुलेगा।
- 10 पौंसदी कोटा पॉलिसी होल्डर के लिए रिजर्व रखा।
- प्राइस बैंड 902 से 949 रुपए होगा।
- कर्मचारियों और रिटेल निवेशकों को 45 रुपए डिस्काउंट, पॉलिसी होल्डर को 60 डिस्काउंट।

होलसिम भारत से समेट रही बिजनेस

अंबुजा सीमेंट्स को खरीदने की दौड़ में अडाणी आगे

जल्द डील होने की आश

नई दिल्ली

गौतम अडाणी की अगुवाई वाला अडाणी ग्रुप अंबुजा सीमेंट्स को खरीदने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी होलसिम से बातचीत कर रहा है। अंबुजा को खरीदने की दौड़ में JSW ग्रुप भी शामिल है, लेकिन माना जा रहा है कि अडाणी की बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है।

अंबुजा सीमेंट खरीदने के लिए होलसिम से डील:- जानकारों के मुताबिक, अडाणी समूह जल्द अंबुजा सीमेंट को खरीदने के लिए होलसिम के साथ डील कर सकता है। होलसिम भारत आने के 17 सालों के बाद अपना भारत का कारोबार बंद कर सकती है। होल्सिम समूह की भारत में दो सीमेंट कंपनियों अंबुजा सीमेंट और ष्ट्ट लिमिटेड में हिस्सेदारी है। 73,128 करोड़ रुपए वैल्यू वाली अंबुजा सीमेंट में होल्डरइंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के जरिए होलसिम की 63.1 पौंसदी हिस्सेदारी है, जबकि ष्ट्ट लिमिटेड में अंबुजा सीमेंट की 50.05 पौंसदी हिस्सेदारी है। 1988 में कमोडिटी ट्रेडिंग फर्म के रूप में शुरू हुआ अडाणी समूह पोर्ट बिजनेस में उतरने के बाद राष्ट्रीय नक्शे पर आया था। बीते कुछ वर्षों में समूह ग्रीन एनर्जी, मीडिया, ऑयल एंड गैस, माइनिंग, एयरपोर्ट ऑपरेशन, कंस्ट्रक्शन, फूड प्रोसेसिंग में अपने कदम बढ़ाए हैं।

एलन मस्क के निशाने पर ट्विटर की पॉलिसी हेड

ट्विटर की बोर्ड मीटिंग में रोने लगीं भारतीय मूल की विजया गाड्डे, डोनाल्ड ट्रांप का अकाउंट को भी कर चुकी हैं सस्पेंड

नई दिल्ली

ट्विटर और एलन मस्क की डील होने के बाद एक और नाम पर चर्चा शुरू हो गई है। इनका नाम विजया गाड्डे हैं, जो ट्विटर की पॉलिसी हेड हैं। लेटेस्ट रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्विटर की बोर्ड मीटिंग में विजया भावुक होकर रोने लगीं। इसके पीछे की वजह मस्क का विजया गाड्डे को सेंसरशिप से जुड़े उनके फैसले के लिए टारगेट करना बताया जा रहा है। दरअसल, गाड्डे ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बेटे हंटर बाइडेन के लैपटॉप पर की गई एक

एक्सक्लूसिव स्टोरी की वजह से न्यूयॉर्क पोस्ट के अकाउंट को सस्पेंड कर दिया था। उनके इस कदम की मस्क ने आलोचना की है और इसे एक बेहद गलत कदम बताया है। 48 साल की विजया गाड्डे ट्विटर के सेफ्टी, लीगल ईशु और सेंसिटिव मामलों को हैंडल करती हैं। उन्होंने साल 2011 में ट्विटर जॉइन किया था और तब से वह कंपनी के कानून और पॉलिसी से जुड़े मामलों को संभाल रही हैं। विजया को ट्विटर की एक्जीक्यूटिव टीम में सबसे ताकतवर महिला माना जाता है। कंपनी की सेंसरशिप से जुड़े फैसलों के लिए विजया गाड्डे को ही जिम्मेदार माना जाता है। यहां तक की पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट बैन का फैसला भी विजया ने ही लिया था।

एलन मस्क को गडकरी की नसीहत:चीन में कार बनाकर भारत में बेचना अच्छा प्रस्ताव नहीं, भारत में बिजनेस करना है तो टेस्ला यहीं बनाइए

नई दिल्ली

केंद्रीय परिवहन परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक सम्मेलन में एलन मस्क के भारत में अपनी इलेक्ट्रिक कार बेचने के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह टेस्ला इलेक्ट्रिक कार की बिक्री के लिए कार बनाने और उनका एक्सपोर्ट करने के लिए उसका स्वागत करते हैं, लेकिन टेस्ला को चीन से कारों का इम्पोर्ट करने की इजाजत नहीं देते। गडकरी ने कहा कि एलन का कार को चीन में बनाना और यहां बेचना अच्छा प्रस्ताव नहीं है।

एलन मस्क इंपोर्ट ड्यूटी कम कराना चाहते हैं:- एलन मस्क चाहते हैं कि भारत सरकार टेस्ला की कारों पर इंपोर्ट ड्यूटी को कम करें, जिससे वो विदेशों में बनी टेस्ला की कारों को आसानी से इंडियन मार्केट में बेच सके। लेकिन भारत सरकार इस बात को लेकर बिल्कुल तैयार नहीं है। केंद्र सरकार की ओर से कहा गया था कि एलन मस्क के दबाव का कोई असर नहीं होने वाला है।

लोगों की जान पहली प्राथमिकता

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री ने कहा कि देश में ईवी इंडस्ट्री अभी शुरू हुई है और सरकार इसमें किसी तरह की लापरवाही नहीं सहेगी। सरकार के लिए सेफ्टी ही प्रॉयरिटी है और कंपनी का किसी की जान के साथ खेलना नहीं सहा जाएगा। उन्होंने कहा कि मार्च-अप्रैल-मई में तापमान बढ़ता है, फिर बैटरी (ईवी) में कुछ समस्या होती है। इसी वजह से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में आग लगती है। सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार, सेंटर फॉर फायर एक्सप्लोसिव एंड एनवायरनमेंट सेफ्टी (ष्ट्स्नश्वश्वस्) को उन परिस्थितियों की जांच करने के लिए कहा गया है जिनकी वजह से आग की यह घटना हुई हैं।

पहले भारत में बनाएं फिर छूट की बात करें

टेस्ला भारत में कार मैन्युफैक्चर करने की बजाय यहां इंपोर्ट कारें बेचना चाहती हैं। टेस्ला ने कई मंचों से अपनी यह बात कही है कि भारत सरकार इलेक्ट्रिक कारों पर इंपोर्ट चार्ज कम करे। हालांकि, सरकार टेस्ला को खरी-खरी बोल चुका है कि टेस्ला भारत में आकर पहले कार बनाए फिर किसी छूट पर विचार होगा।

उच्च तापमान बैटरी के लिए एक समस्या

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स पर आग लगने की घटना पर नितिन गडकरी ने कंपनियों को एडवांस एक्शन लेने को कहा है। उन्होंने कंपनियों से कहा है कि जो भी खराब व्हीकल मार्केट में सेलिंग के लिए उतारे गए हैं उन्हे कंपनी रिकॉल करे। कुछ इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियों के मालिकों ने आग लगने की घटना की वजह गर्मी का बढ़ना बताया था।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र। आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)